ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 2, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 297 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
03 मई 2026 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
38.2 अधिकतम
22.2 न्यूनतम

अरब और यूएई में तेल का बदलता खेल और दुनिया के अन्य देशों की कवायद

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

पश्चिमी एशिया में ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने ऊर्जा राजनीति को और जटिल बना दिया है। इसी बीच संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के बीच तेल को लेकर रणनीतिक अंतर साफ दिखाई देने लगा है। एक तरफ सऊदी अरब है, जो अभी भी पारंपरिक तेल आधारित अर्थव्यवस्था पर टिका है। उसका पूरा फोकस सीमित उत्पादन, ऊंची कीमत और तेल की वैश्विक अहमियत बनाए रखने पर है। ओपेक के जरिए वह सप्लाई कंट्रोल करके कीमतों को ऊंचा रखना चाहता है। इसके विपरीत यूएई ने समय रहते समझ लिया कि काला सोना यानी कच्चा तेल हमेशा के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था का आधार नहीं रहेगा। इसलिए उसने तीन बड़े कदम उठाए। तेल पर निर्भरता घटाकर इकोनॉमी की राह बदलना और दूसरा तेल को भविष्य के लिए बचाने की बजाय आज बेचकर भविष्य बनाना। अगर आंकड़ों पर नजर डालें, तो समझ आता है कि यूएई को सऊदी अरब जितनी चिंता क्यों नहीं है। यूएई ने अपनी अर्थव्यवस्था को बहुत ही खूबसूरती से डायवर्सिफाई किया है। आज के दौर में यूएई के कुल राजस्व का केवल 25 फीसदी हिस्सा ही तेल और गैस से आता है। बाकी75 फीसदी आय ट्रेड, लॉजिस्टिक्स, टूरिज्म, एविएशन और रियल एस्टेट जैसे सेक्टर से आ रहा है। दुबई और अबू धाबी जैसे शहर अब सिर्फ तेल के कुओं के लिए नहीं, बल्कि ग्लोबल बिजनेस हब के तौर पर जाने जाते हैं। यूएई अब खुद को एक ऐसी मॉडर्न इकोनॉमी के रूप में देख रहा है,जो तेल के बाद वाली दुनिया के लिए पूरी तरह तैयार है। यूएई दीर्घकालिक सुरक्षा, विविध अर्थव्यवस्था अपना रहा है, जिससे नकदी का प्रवाह तेज हो।

सऊदी अरब की चिंता का अलग है सबब

यूएई को अपना बजट बैलेंस करने के लिए उतनी ऊंची तेल कीमतों की जरूरत नहीं है जितनी सऊदी अरब को है। सऊदी अरब को अपने 'फिस्कल ब्रेकइवन' की चिंता है यानी वह कीमत जिस पर उसका बजट संतुलित रहे, लेकिन यह यूएई के मुकाबले लगभग दोगुनी है। सीधा अर्थ यही है कि अगर तेल का भाव 50 डॉलर भी रह जाए, तो यूएई को कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है। जाहिर है कि तेल की दुनिया में अब भविष्य उसी का है जो अपनी इकॉनामी के लिए दूसरे विकल्पों पर विचार करे और समय रहते कदम उठा ले। खेल सिर्फ उत्पादन का नहीं, समय और रणनीति का है। लेकिन सऊदी अरब तेल की कृत्रिम कमी बनाकर अपनी ताकत बनाए रखने की कोशिश में है, जो बदलती दुनिया में जोखिम भरा दांव बन सकता है।

अमेरिका बनाम चीन- ऊर्जा की बड़ी लड़ाई

अमेरिका अभी भी तेल और गैस के जरिए अपनी वैश्विक आर्थिक पकड़ और पेट्रो डॉलर व्यवस्था को बनाए रखना चाहता है। वहीं चीन चुपचाप वैकल्पिक ऊर्जा में निवेश करके भविष्य की ऊर्जा सत्ता पर कब्जा जमाने की रणनीति पर चल रहा है। अमेरिका ट्रम्प सरीखे के कुछ नेता अभी भी 'ड्रिल बेबी, ड्रिल' के नारे के साथ ज्यादा से ज्यादा फॉसिल फ्यूल निकालने की वकालत कर रहे हैं। लेकिन ग्लोबल ट्रेंड बता रहा है कि भविष्य केवल क्लीन एनर्जी का ही है। यूरोप ने इस दिशा में बहुत बड़े कदम उठाए हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने रूसी गैस पर अपनी निर्भरता कम करने क्लीन एनर्जी में रिकॉर्ड निवेश किया है। चीन ने जिस तरह से खुद को एनर्जी सेक्टर में बदला है, वह हैरान करने वाला है। 2024 में चीन की बिजली की कुल नई डिमांड का 80 फीसदी हिस्सा रिन्यूएबल उर्जा का है। चीन अब ग्रीन टेक्नोलॉजी का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरर है। सोलर पैनल से लेकर इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बैटरी तक, चीन का पूरी दुनिया पर कब्जा है। इसे अब 'इलेक्ट्रोस्टेट' कहा जा रहा है। उसके पास कोयले के भंडार हैं, रिन्यूएबल एनर्जी का बड़ा नेटवर्क है और भारी मात्रा में तेल के स्टाक है।

भारत के लिए चुनौतियां और उपाय

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एनर्जी कंज्यूमर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 परसेंट कच्चा तेल और 50 परसेंट गैस विदेशों से खरीदता है। इसमें भी एक बड़ा हिस्सा मिडिल ईस्ट से आता है। यूएई का ओपेक से बाहर निकलना भारत के लिए एक अच्छी खबर हो सकती है। अगर यूएई अपना प्रोडक्शन बढ़ाता है, तो मार्केट में तेल की अधिकता होगी और कीमतें गिरेंगी। इससे भारत का इंपोर्ट बिल कम होगा।भारत सरकार अब 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' और 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए खुद को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश कर रही है। भारत का लक्ष्य है कि वह तेल पर अपनी निर्भरता को कम करे और सौर ऊर्जा का दुनिया में बड़ा हब बने।

हैदराबाद-कोलकाता, समय : शाम 3.30 बजे

न्यूज विंडो

गीतकार प्रसून जोशी बने प्रसार भारती के अध्यक्ष

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक प्रसार भारती का अध्यक्ष प्रख्यात गीतकार, लेखक और संचार विशेषज्ञ प्रसून जोशी को नियुक्त किया है। प्रसून जोशी साहित्य, विज्ञापन, सिनेमा और सार्वजनिक संचार के क्षेत्र में व्यापक योगदान देने वाले एक प्रतिष्ठित रचनात्मक पेशेवर हैं। अपने प्रभावशाली लेखन और गहरी सांस्कृतिक संवेदनशीलता के लिए जाने जाने वाले प्रसून जोशी ने समकालीन भारतीय मीडिया की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके कार्यों में प्रशंसित फिल्म गीत, विज्ञापन अभियान और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियां शामिल हैं जो देशभर के विविध दर्शकों से जुड़ती हैं।

चेन्नई में विमान से कूदा यात्री एक घंटे बंद करना पड़ा रन-वे

नईदिल्ली। आज सुबह शारजाह से चेन्नई जाने वाली एयर अरेबिया की एक फ्लाइट में सवार यात्रियों को उस समय जबरदस्त झटका लगा, जब चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद एक यात्री ने इमरजेंसी एग्जिट का दरवाजा खोला और बाहर कूद गया। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना लैंडिंग के तुरंत बाद हुई जब एयरक्राफ्ट मेन रनवे से निकल चुका था और पूरी तरह रुकने से पहले टैक्सीवे पर धीरे-धीरे चल रहा था। अचानक हुई इस घटना से यात्रियों में घबराहट फैल गई और तुरंत सिक्योरिटी टीम ने कार्रवाई की।

सनकी व्यक्ति ने पत्नी और 4 बच्चों को जहर देकर मारा

गुरुग्राम। गुरुग्राम के गांव वजीरपुर में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यह एक सनकी व्यक्ति ने अपनी पत्नी ही नहीं बल्कि चार बच्चों को जहर देकर मौत के घाट उतार दिया। आरोपी ने अपने हाथ की नस काट कर खुद भी आत्महत्या का प्रयास किया।
इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी शनिवार रात उस वक्त हुई, जब व्यक्ति का भाई घर आया और सभी को बेसुध हालत में पाया। व्यक्ति के हाथ से खून निकलता देख भाई सभी को अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टर ने महिला व उसके चार बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

आज का कार्टून

बिगड़ा मौसम का मिजाज... देश भर में आंधी-तूफान और ओले पड़ने की आशंका

अलर्ट... 60 की रफ्तार से आ रहा बवंडर तीन दिन भीषण गर्मी से राहत के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी

देश भर के मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है लेकिन अब मौसम अचानक करवट ले रहा है। दिल्ली-एनसीआर, चेन्नई, कोलकाता और बिहार समेत देश के कई हिस्सों शनिवार रात तक बारिश हुई और अब हुए मौसम विभाग ने आज रविवार के लिए चेतावनी जारी की है। इसमें बताया गया है कि देश के कई राज्यों में भारी बारिश के साथ बवंडर आने की संभावना है। साथ ही आने वाले एक से दो दिनों तक तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के चेतावनी के बाद प्रदेशों में प्रशासन से सतर्कता बरतने को कहा गया है।

मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के साथ-साथ राजस्थान से लेकर पूर्वोत्तर तक चक्रवाती हलचल और ट्रफ लाइनों ने पूरे देश के मौसम के मिजाज को बदल कर रख दिया है। दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों के लिए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किए हैं। इस वार्निंग में भारी बारिश, आंधी-तूफान, बवंडर और ओलावृष्टि की भारी आशंका जताई गई है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल भी अछूते नहीं रहेंगे। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख में आंधी के साथ ओले गिरने का अलर्ट है। वहीं, छत्तीसगढ़ और तटीय आंध्र प्रदेश में 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भयंकर तूफानी हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है।

मध्य प्रदेश में आंधी का अलर्ट

भोपाल, ग्वालियर, दतिया, शाजापुर और जबलपुर सहित पूर्वी और दक्षिणी बेल्ट में हल्की से मध्यम आंधी चलेगी। मौसम विभाग ने खासकर रायसेन, सांची और भीमबेटका के लिए चेतावनी दी है जहां 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने और ओलावृष्टि होने की प्रबल संभावना है। गुना, विदिशा, अशोकनगर, सागर और नरसिंहपुर में भी 50 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाओं के साथ बिजली गिरने और ओले पड़ने का अलर्ट है।

किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें

दोपहर मेट्रो सरोकार

अचानक मौसम के बदलने से एमपी के उन गेहूं उत्पादक किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं जो अपना गेहूं गोदामों में रखवाने को लेकर बेताब थे। वे खुले में रखे गेहूं को लेकर परेशान हैं। सीहोर, राजगढ़, भोपाल से लेकर रायसेन, विदिशा होते हुए सागर सहित सूबे के आधा दर्जन से ज़्यादा जिलों में बेमौसम बारिश ने बहुआयामी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। गेहूं के गीले होने से उसकी गुणवत्ता पर असर और गहराने की आशंका बढ़ गई है। गेहूं की क्वालिटी बिगड़ी तो किसानों से एफसीआई और राज्य नागरिक आपूर्ति निगम खरीदी नहीं करेगा। अगर सहकारी समितियों ने गीला गेहूं खरीदा तो उसकी चपेट में वो गोदाम मालिक आयेंगे जो इनका भंडारण करेंगे। गेहूं की गुणवत्ता को क़ायम रखना बेहद चुनौती भरा काम होगा ।

दिल्ली की बिल्डिंग में एसी ब्लास्ट, 9 की दर्दनाक मौत

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के विवेक विहार में एक चार मंजिला इमारत में भयंकर आग लग गई। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो गई है और कई घायल है। आग इतनी तेज थी कि बिल्डिंग में सो रहे लोगों को अपनी जान बचाने का मौका तक नहीं मिला। किसी का शव बेड पर मिला तो कोई सीढ़ियों पर खाक पाया गया। इमारत के सेकेंड फ्लोर में पीछे की तरफ लगे एसी में ब्लास्ट हो गया था। इसकी वजह से तड़के करीब 3.30 बजे आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि इसने तीसरे फ्लोर को अपनी चपेट में लिया। लोगों ने अपनी जान बचाने की कोशिश तो की, लेकिन वो कामयाब नहीं हो पाए।

तीसरे फ्लोर में रहने वाला परिवार अपनी जान बचाने के लिए छत की तरफ भागा था। लेकिन छत का दरवाजा बंद था जिसकी वजह से वो वहीं फंसे रह गए और उनकी सीढ़ियों पर ही झुलसकर मौत हो गई। जिस फ्लोर पर आग लगी, वहां भी चार लोग मौजूद थे जिनकी भी जलकर मौत हो गई। बिल्डिंग के आगे की तरफ रहने वाले लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया।

बरगी क्रूज हादसे के चौथे दिन मिले चाचा-भतीजे के शव

मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हुई, मरने वालों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं

जबलपुर, एजेंसी

जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में आज सुबह 9 बजकर 40 मिनट पर लापता कामराज आर. का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले शनिवार शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे। इनमें से एक की पहचान श्रीतमिल पिता कामराज (5) और दूसरे की विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी।

हादसे के पहले दिन 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और आज चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा।

आंधी से फ्लोटिंग हटमेंट टूटे, 22 लोगों का रेस्क्यू

नई टिहरी। टिहरी झील में डोबरा-चाटी के पास देर शाम को तेज आंधी-तूफान के कारण फ्लोटिंग हटमेंट टूट गए। जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने 22 पर्यटकों को सकुशल रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा। आपदा कंट्रोल रूम, टिहरी की ओर से एसडीआरएफ टीम को सूचना मिली कि डोबरा-चाटी के पास आंधी-तूफान आने के कारण झील में स्थित फ्लोटिंग हटमेंट टूट गए हैं, जिसमें कई व्यक्तियों के फंसे होने की आशंका है।

इंदौर-पीथमपुर इकॉनॉमिक कॉरिडोर का भूमिपूजन

प्रदेश की समृद्धि का स्वर्णिम पथ

इंदौर, एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज इंदौर-पीथमपुर इकॉनॉमिक कॉरिडोर के प्रथम चरण का भूमिपूजन कर रहे है। यह परियोजना प्रदेश में अधोसंरचना, उद्योग और शहरी विकास को एकीकृत रूप से आगे बढ़ाने की सरकार की रणनीति को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

मुख्यमंत्री एमआईसीसी नैनोद ने भूमिपूजन कार्यक्रम के लिए पहुंच गए हैं। कार्यक्रम के दौरान एक शॉर्ट फिल्म के माध्यम से कॉरिडोर के स्वरूप, संभावनाओं और इसके क्षेत्रीय प्रभावों को भी प्रस्तुत किया जाएगा। यह कॉरिडोर इंदौर एयरपोर्ट के समीप स्थित सुपर कॉरिडोर को पीथमपुर निवेश क्षेत्र से जोड़ेगा। इसे एक सुव्यवस्थित औद्योगिक धुरी के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे औद्योगिक इकाइयों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही लॉजिस्टिक्स, परिवहन और बाजार तक पहुंच अधिक सुगम और प्रभावी बनेगी। इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए पीथमपुर निवेश क्षेत्र, लॉजिस्टिक हब, टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों को एकीकृत कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। इससे उत्पादन और वितरण तंत्र में सुधार होगा और उद्योगों के संचालन की प्रक्रिया सरल बनेगी। यह महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट न केवल इंदौर क्षेत्र के औद्योगिक क्लस्टर्स को मजबूत करेगा, बल्कि मध्य प्रदेश को एक आदर्श निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही इससे प्रदेश में निवेश प्रवाह बढ़ने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की भी उम्मीद है।

2360 करोड़ रुपए की लागत

सुपर कॉरिडोर से पीथमपुर निवेश क्षेत्र तक लगभग 20.28 किलोमीटर लंबाई का मार्ग विकसित किया जा रहा है। लगभग 1316 हेक्टेयर क्षेत्र में नियोजित विकास का प्रावधान किया गया है, जिसके लिए कुल 2360 करोड़ रुपए की लागत निर्धारित की गई है। अधोसंरचना के तहत 75 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क तथा उसके दोनों ओर विकसित होने वाला बफर जोन इस कॉरिडोर को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तार योग्य बनाएगा।

ट्रम्प की चेतावनी- ईरान ने गलती की तो फिर हमला

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि ईरान ने कोई गलती की, तो उस पर फिर से हमले हो सकते हैं। फ्लोरिडा में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अमेरिका फिलहाल मजबूत स्थिति में है, जबकि तेहरान दबाव में है और समझौता करना चाहता है। इसके अलावा ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान की ओर से 14-पॉइंट का प्रस्ताव मिला है, जिसके विस्तृत ड्राफ्ट का इंतजार है। इस नए प्रस्ताव का हम रिव्यू भी कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, मुझे नहीं लगता कि यह स्वीकार्य होगा। क्योंकि उन्होंने पिछले 47 वर्षों में मानवता और दुनिया के साथ जो किया है, उसकी अभी तक बड़ी कीमत नहीं चुकाई है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह 14-पॉइंट का प्रस्ताव अमेरिका के 9-पॉइंट प्लान के जवाब में भेजा गया है।

मेट्रो एंकर — बंगाल चुनाव को लेकर चुनाव आयोग के स्पेशल ऑब्जर्वर की रिपोर्ट में चिंताजनक खुलासा

ईवीएम के बटन पर परफ्यूम... ताकि पता चले वोट किसके खाते में गया

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जिस तरह का बवाल सामने आ रहा है, उसने पूरे चुनावी माहौल को संदेह और तनाव से भर दिया है। फाल्टा विधानसभा क्षेत्र से सामने आई रिपोर्ट के अनुसार ईवीएम के बटन पर परफ्यूम लगाकर मतदाता की पहचान करने की कोशिश की गई। सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ एक घटना है या किसी बड़े पैटर्न का हिस्सा?

चुनाव आयोग के स्पेशल ऑब्जर्वर की रिपोर्ट ने जो तस्वीर पेश की है, वह चिंताजनक है। ब्लैक मास्किंग टेप लगाकर बटन को छिपाना, बूथ के अंदर पार्टी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी और वीडियो फुटेज का गायब होना ये सब मिलकर एक ऐसे माहौल की ओर इशारा करते हैं, जहां निष्पक्ष मतदान संभव ही नहीं रह जाता। ऐसे में यह बहस तेज हो गई है कि क्या चुनावी सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है या इसमें सुधार की जरूरत है। स्पेशल ऑब्जर्वर की रिपोर्ट के मुताबिक फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के कई पोलिंग स्टेशनों पर वोटिंग मशीन के बैलेट यूनिट के बटनों पर परफ्यूम लगाया गया था। इसका मकसद यह था कि मतदाता जिस बटन को दबाए, उसकी

उंगली पर सुगंध लग जाए और बाद में उसकी पहचान की जा सके। यह सब तब हुआ जब निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया था कि ईवीएम के बटन पर इत्र या गोंद लगाने जैसी हरकतों को छेड़छाड़ माना जाएगा, जो एक चुनावी अपराध है। यदि किसी मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी को ऐसी कोई शरारत दिखती है, तो उसे सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करना होगा। लेकिन तत्काल सूचना देने के निर्देश का पालन पूरी तरह से नहीं हो सका।

कई जगह डर का माहौल

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कई बूथों पर बटनों पर ब्लैक मास्किंग टेप चिपका दिया गया था, इससे मतदाता अपनी पसंद का उम्मीदवार चुन ही नहीं पाते थे। यह सीधे तौर पर मतदान की स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाली कार्रवाई है। सुबह से लेकर शाम तक मतदान प्रतिशत तेजी से बढ़ता रहा, लेकिन शिकायतें दोपहर बाद सामने आईं, जब तक काफी नुकसान हो चुका था। स्पेशल ऑब्जर्वर ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कुल 60 पोलिंग स्टेशन, यानी करीब 21 प्रतिशत बूथ प्रभावित थे। इन 285 बूथों पर लगभग 53,967 मतदाताओं ने वोट डाले थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कई जगहों पर डर का माहौल था और पोलिंग अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई।

नाट्य कार्यशाला में बच्चे सीख रहे एक्टिंग...

भोपाल। पंद्रह दिवसीय नाट्य कार्यशाला का आयोजन अकादमी में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में अभिनय, वाईस- स्पीच, थियेटर गेम्स, सीन वर्क, इम्प्रोवाईजेशन, संगीत, चित्रकला एवं प्रापर्टी मेकिंग आदि पर कार्य किया जाएगा। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया जिसमें संस्था की निदेशक डॉ. मंजू मणि हतवलने, उपाध्यक्ष विशाल हतवलने एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों को बेसिक थीएटर एक्सरसाइज जैसे अलट्र्नेस, आबजर्वेशन एवं वाईस प्रोजेक्शन पर कार्य करवाया जाएगा एवं सीन क्रियेट विद प्रोपर्टीज पर कार्य करना समझाया जाएगा। साथ ही अन्य कलाओं के एक्सपट्र्स से भी प्रतिभागियों को सीखने का अवसर प्राप्त होगा। प्रथम दिवस प्रतिभागियों के चार ग्रुप बनाए गए और किसी एक प्रापर्टी को लेकर सीन क्रियेट करना सिखाया गया, जिसमें सभी की क्रियेटिविटी देखने को मिली। संस्था के उपाध्यक्ष विशाल हतवलने ने बताया कि अकादमी में मूलत: शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम की विधिवत शिक्षा गुरु-शिष्य परंपरानुसार दी जाती है, साथ ही हम समय-समय पर कई कार्यशालाओं का आयोजन भी करते हैं । हमारा उद्देश्य नवीन पीढ़ी में कला के प्रति रूचि लाने के साथ उनका सर्वांगीण विकास करना भी है। बच्चों एवं बड़ो में खुद को एक्सप्रेस करने की जो झिझक होती है उसमें भी इस कार्यशाला से सार्थक परिणाम आएंगे।

12-15 साल पुराने 700 ट्रांसफॉर्मर, 120 फीसदी लोड से बढ़े फॉल्ट, ट्रिपिंग और आगजनी

27 जोनों में बदले जाएंगे 162 ट्रांसफॉर्मर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के कई इलाकों की बिजली व्यवस्था की असली कमजोरी अब डेटा के साथ सामने आ गई है। शहर में करीब 700 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर 12-15 साल पुराने हैं और अधिकांश अपनी तय क्षमता से ज्यादा लोड ढो रहे हैं। यही ओवरलोडिंग हर गर्मी में फॉल्ट, ट्रिपिंग और आगजनी की घटनाओं को जन्म दे रही है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 27 जोनों में ओवरलोड और पुराने ट्रांसफार्मरों की पहचान की है। अब तक 35 ट्रांसफार्मर बदले जा चुके हैं, जबकि 24 में लोड बैलेंसिंग का काम पूरा कर लिया गया है। आगामी 3 दिनों के भीतर 162 ट्रांसफार्मरों को बदलने (रिप्लेसमेंट) और 648 में लोड बैलेंसिंग करने का बड़ा टारगेट तय किया गया है। ट्रांसफॉर्मर या बिजली संबंधी समस्या पर 1912 (टोल फ्री) पर कॉल करें। वॉट्सएप/चैटबोट-0755-2551222, +91 7552551222। शिकायत दर्ज होते ही कंप्लेंट नंबर मिलता है और टीम भेजी जाती है। पोर्टल पर भी शिकायत कर सकते हैं। शिकायत में कनेक्शन नंबर, पता और समस्या बताना जरूरी है। समाधान न मिले तो सीएम हेल्पलाइन 181 पर एस्केलेट करें।

हॉटस्पॉट इलाके, स्पार्किंग और फॉल्ट की अधिक शिकायतें

हाई-रिस्क जोन- छोला जोन (नारियलखेड़ा, करोंद, बायपास क्षेत्र) ओवरलोड + बिजली चोरी के केस ज्यादा। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल बेल्ट भारी लोड, इंडस्ट्रियल कनेक्शन। कोलार क्षेत्र (नई कॉलोनियां) तेजी से बढ़ती आबादी, कम क्षमता ट्रांसफार्मर। **अयोध्या नगर -** आनंद नगर बेल्ट अनियोजित लोड ग्रोथ पुराना शहर (इतवारा, शाहजहांनाबाद) पुराने (15-20 साल पुराने) ट्रांसफार्मर

एमडी का अल्टीमेटम- तुरंत हटें ओवरलोड ट्रांसफार्मर

कंपनी के एमडी ऋषि गर्ग ने सख्त निर्देश दिए हैं कि ओवरलोड ट्रांसफार्मरों को तुरंत बदला जाए और बैलेंसिंग में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने हर जोन से दैनिक रिपोर्ट मांगते हुए कहा कि बिजली आपूर्ति से कोई समझौता नहीं होगा। वहीं भोपाल सिटी सर्किल के जीएम प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि अधिक लोड वाले ट्रांसफार्मरों को चिह्नित कर लिया गया है। फेज-वाइज रिप्लेसमेंट और लोड शिफ्टिंग के जरिए ओवरलोड समस्या को खत्म कर रहे हैं। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क प्लानिंग मानकों के अनुसार, ट्रांसफार्मर पर 70-80 फीसदी लोड ही आदर्श है। 100 फीसदी से अधिक लोड ओवरलोडिंग की श्रेणी में आता है, जिससे इंसुलेशन खराब होता है। एक्सपर्ट राजेंद्र अग्रवाल के मुताबिक, 80 फीसदी से ज्यादा लोड होने पर ऑयल हीटिंग और स्पार्किंग होती है, जो नमी मिलते ही आग और ब्लैकआउट का कारण बनती है। भोपाल के कई क्षेत्रों में यह लोड 120 फीसदी तक पहुंच चुका है।

आग लगने के मुख्य कारण: पुराने ट्रांसफॉर्मर की सील खराब होने से तेल रिसता है, जो चिंगारी मिलते ही आग पकड़ लेता है। गर्मी में तार फैलते हैं, जिससे जंक्शन पॉइंट्स पर स्पार्किंग बढ़ जाती है। घरों में स्वीकृत लोड से ज्यादा एसी और भारी उपकरणों का उपयोग।

तो... सूचित करें

यदि आप अपने आसपास के ट्रांसफॉर्मर से चिरचिर की आवाज़, नीली चिंगारी या जले हुए तेल की गंध महसूस करें, तो तुरंत बिजली विभाग के हेल्पलाइन नंबर 1912 पर सूचना दें।

सांसद ने पुलिस आयुक्त से की मुलाकात

पुराने और नए शहर में मार्केट बंद होने के दो कानून बर्दाश्त नहीं : शर्मा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल में मार्केट बंद होने के दो कानून प्रचलित है, जिस पर पुलिस को सख्ती से अंकुश लगाना चाहिए। उन्होंने कहा पुराने भोपाल शहर में रातभर दुकानें खुली रहती है, जहां पर आपराधिक

गतिविधियों को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने रात सोने के लिए बनाई है। घर पर अब्बू, अम्मी इंतजार करते हैं कि बेटा आएगा और हमें दवाई देगा लेकिन बेटा तो रातभर बिरयानी की दुकान और मार्केट में ही बिताता है। ये चिंता आज कई परिवारों की है। युवा गलत रास्ता अपना लेते हैं।

सांसद शर्मा ने भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार से मुलाकात कर उन्हें इस आशय का एक पत्र सौंपा है जिसमें भोपाल के सभी मार्केट एक समय पर बंद करने का आग्रह किया है। ज्ञात रहे सांसद शर्मा पूर्व में भी कई बार ये मुद्दा उठाते रहे हैं लेकिन पुलिस की सख्ती न होने के कारण आज भी व्यवस्था वैसी ही है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से मुलाकात के दौरान बताया कि अभी भोपाल शहर में दो कानून प्रचलित हैं, न्यू मार्केट, एमपी नगर, संत हिरदाराम नगर, बीएचईएल बरखेड़ा, इंद्रपुरी सोनागिरि, 6 नंबर मार्केट, 10 नंबर मार्केट, लखेरापुरा, सराफा चौक आदि रात में 10 बजे तक बंद हो जाते हैं। जबकि पुराने भोपाल शहर के मार्केट्स काजीकैंप, लक्ष्मी टॉकीज, बसस्टैंड, रेलवे स्टेशन, रॉयल मार्केट जीपीओ, इमामी गेट, राजू टी-स्टाल, जिंसी-जहांगीराबाद, सब्बन चौराहा, इतवारा, बुधवारा में दुकानें रातभर खुली रहती हैं जिससे आपराधिक गतिविधियों को बल मिलता है और शहर की कानून व्यवस्था बिगड़ती है। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने शहर के सभी मार्केट्स एक समय पर बंद कराने की कार्यवाही सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया है।

भोपाल वक्फ की जागीर नहीं

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सांसद ने कहा कि भोपाल वक्फ की जागीर नहीं है। शहर में कहीं भी डेवलपमेंट के काम करने जाएं तो खड़े हो जाते हैं कि यह वक्फ की जमीन है। महापौर रहते जब हम पॉलिटेक्निक से भारत माता चौराहे तक स्मार्ट रोड बनाने गए तो रोड़ा अटकाया। बोले कि यह वक्फ की जमीन है जबकि आज वहां स्मार्ट रोड बन जाने के बाद मुसलमान भी उस रोड पर निकलता है, हिंदू भी उस पर रोड पर निकलता है, सभी वर्ग के लोग उस स्मार्ट रोड का उपयोग करते हैं। इसी प्रकार श्यामला हिल्स पर मानस भवन के पीछे की झुग्गियां का हटाने का मामला भी है। वहां पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी को आवास का पैसा जमा किया गया है। किसी को बेघर नहीं किया जाएगा लेकिन शहर के अंदर सरकारी जमीन पर किसी को भी अतिक्रमण करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। वक्फ के नाम पर किसी को भी अवैध कब्जा नहीं करने दिया जाएगा।

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में ग्रीन बिल्डिंग तकनीक एवं इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस की 113वी गवर्निंग काउंसिल मीटिंग और अखिल भारतीय सेमिनार में लोक निर्माण से लोक कल्याण पुस्तक का विमोचन किया।

हवाओं पर दोष, आदमपुर खंती में फिर आग, गैस चेंबर बने गांव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आदमपुर छावनी खंती में शनिवार को एक बार फिर आग लग गई। सुबह करीब 10 बजे अचानक खंती में सूखे कचरे में आग लग गई। उसी समय तेज हवा चल रही थी। खंती में मौजूद तीन फायर ब्रिगेड जब तक मोर्चा संभालती तब तक कम से कम डेढ़ एकड़ में आग भड़क गई । आग की लपटें 25 फीट तक ऊंची उठीं और पूरे इलाके में धुआं छा गया। आग कुछ नियंत्रण में आई कि फिर तेज हवा ने आग को भड़का दिया। उस समय धुआं इतना हो गया कि लगभग दो घंटे तक फायर ब्रिगेड को काम रोकना पड़ा। देर रात 9 बजे तक फायर ब्रिगेड का अमला आग बुझाने के लिए मशक्कत कर रहा था।

अंतरराज्यीय ठग को दबोचा, पांच वाहन जब्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी की अयोध्या नगर पुलिस ने अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय एक ऐसे शातिर जालसाज गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो गाड़ी मालिकों को सरकारी विभाग में वाहन अटैच करने का झांसा देकर उनकी गाड़ियां हड़प लेता था।

थाना प्रभारी महेश लिल्हारे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गिरोह के मुख्य सदस्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5 लग्जरी गाड़ियां बरामद की हैं। जब्त वाहनों में इनोवा, एसयूवी 500 और बोलेरो शामिल हैं, जिनकी बाजार में कीमत

लगभग 80 लाख रुपए बताई जा रही है। यह गिरोह मुख्य रूप से टीकमगढ़, सागर और दमोह जैसे जिलों के देहात क्षेत्रों को निशाना बनाता था। आरोपी खुद को रसूखदार बताकर गाड़ी मालिकों से संपर्क करते थे और उन्हें झांसा देते थे कि उनकी गाड़ी भोपाल में एयरपोर्ट या किसी सरकारी विभाग में ऊंचे किराये पर लगवा दी जाएगी। भरोसा जीतने के लिए आरोपी बाकायदा अनुबंध करते थे और शुरू में एक-दो महीने का किराया भी देते थे।

अंबेडकर नगर में श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई बुद्ध पूर्णिमा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

महाबलि नगर (कोलार) के न्यू अंबेडकर नगर स्थित सम्बुद्ध बुद्ध विहार में बुद्ध पूर्णिमा का पावन पर्व हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के उपासक और उपासिकाओं ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर भगवान बुद्ध के चरणों में वंदना अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक बुद्ध वंदना से हुई, जिसके बाद धम्म विचार-विमर्श का सत्र आयोजित किया गया। वक्ताओं ने तथागत बुद्ध के करुणा, अहिंसा और शांति के संदेशों को आज के समय में प्रासंगिक बताया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने धम्म के सिद्धांतों पर चर्चा की और समाज में एकता बनाए रखने पर जोर दिया। इस आयोजन

का मुख्य आकर्षण क्षेत्र की माताओं द्वारा किया गया निस्वार्थ सेवा भाव रहा। माताओं ने बड़े प्रेम और श्रद्धा के साथ विशेष खीर तैयार की, जिसका वितरण कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों के बीच किया गया। श्रद्धालुओं ने बताया कि खीर का यह प्रसाद न केवल स्वादिष्ट था, बल्कि इसमें माताओं का स्नेह और आशीर्वाद भी महसूस हो रहा था। उनके इस योगदान ने पूरे कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ा दिया और उपस्थित जनों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। समापन पर विहार प्रबंधन और स्थानीय नागरिकों ने सभी माताओं और सेवादारों का हृदय से आभार व्यक्त किया। लोगों का कहना था कि ऐसे आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि आपसी प्रेम, एकता और संस्कारों की एक सुंदर झलक भी प्रस्तुत करते हैं। इस अवसर पर पूरा परिसर नमो बुद्धाय' के जयघोष से गुंजायमान रहा और सभी ने एक-दूसरे को मंगलमय पर्व की शुभकामनाएं दीं।

मेट्रो एंकर

प्रदेश में 4500 समितियां, लेकिन सिर्फ 3000 खाते

अपेक्स प्रशासक यादव ने दिया खातों की संख्या बढ़ाने पर जोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को मजबूत बनाने के लिए अब बचत बैंक खाते खोलने पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में साढ़े चार हजार समितियों के मुकाबले केवल तीन हजार में ही बचत खाते संचालित हैं, जो सहकारी ढांचे की कमजोरी को दर्शाता है। अपेक्स बैंक प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों का पैसा समितियों में ही जमा होना चाहिए, तभी ये संस्थाएं आर्थिक रूप से सक्षम बन सकेंगी। अपेक्स बैंक के प्रशासक ने मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी समितियों में बचत खाते खोलना सुनिश्चित करें। खासतौर पर ग्वालियर संभाग और रीवा संभाग सहित 16 जिला

सहकारी बैंक कमजोर श्रेणी में हैं, जहां विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

ऋण वितरण और वसूली की स्थिति : खरीफ सीजन में प्रदेश में 19,000 करोड़ रुपये का कृषि ऋण वितरित किया गया, जिसमें से 90 प्रतिशत की वसूली हो चुकी है। अधिकारियों को 30 जून तक शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पात्र किसानों को बिना ब्याज ऋण का लाभ मिल सके।

सदस्यता अभियान को गति

प्रदेश में 10 लाख नए सदस्य बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए समिति प्रबंधकों को सक्रिय भूमिका निभाने और किसानों से निरंतर संपर्क बनाए रखने को कहा गया है। इससे सहकारी संस्थाओं का दायरा बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

दुग्ध समितियों में भी खाता खोलने की जरूरत

प्रदेश में 6,420 दुग्ध समितियां हैं, लेकिन इनमें से केवल 85 प्रतिशत के खाते ही जिला सहकारी बैंकों में खुले हैं। वहीं 13 हजार सदस्यों में से करीब 65 प्रतिशत के ही खाते सक्रिय हैं, जिसे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। बैंक प्रबंधन ने सभी 38 जिला सहकारी बैंकों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीनस्थ प्रबंधकों से प्रतिदिन कम से कम पांच समितियों का निरीक्षण कराएं। इससे कार्यप्रणाली में सुधार और योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सिंधी मेले के पहले दिन दिखा लघु सिंध का नजारा

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी मेला समिति द्वारा आयोजित बहुप्रतीक्षित सिंधी मेले का शुभारंभ शनिवार को राजधानी में बेहद हर्षोल्लास के साथ हुआ। मेले के पहले ही दिन नारी शक्ति का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला, जिसने पूरे आयोजन में चार चांद लगा दिए। मेले के द्वार खुलते ही स्वागत की कमान महिलाओं ने संभाली। प्रांगण में प्रवेश करने वाले प्रत्येक आगंतुक का स्वागत महिलाओं द्वारा गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर पारंपरिक अंदाज में किया गया। उद्घाटन सत्र की सबसे मनमोहक प्रस्तुति सिंधी मेला समिति के महिला मंडल द्वारा दी गई। सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने सिर पर भगवान झूलेलाल का पवित्र बहराना साहब धारण कर पारंपरिक सिंधी छेज नृत्य किया। इस दृश्य ने न केवल मेले के पारिवारिक माहौल को मजबूत किया, बल्कि सिंधी संस्कृति की जीवंत झलक भी पेश की। मेले की औपचारिक शुरुआत भगवान झूलेलाल की भव्य आरती के साथ की गई, जिसमें पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएं

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

प्रदेश की प्रगति का
स्वर्णिम पथ

उज्जैन-इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की महत्वपूर्ण परियोजना

इंदौर-पीथमपुर
इकोनॉमिक कॉरिडोर
(प्रथम चरण)

भूमिपूजन

मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा

3 मई, 2026 | ग्राम नैनोद, इंदौर

लंबाई
20 कि.मी.

क्षेत्रफल
1300 हेक्टेयर

लागत
₹2360 करोड़

कनेक्टिविटी
NH-47 | NH-52

किसानों को उनकी भूमि का 60% विकसित भू-खण्ड लौटाने का ऐतिहासिक निर्णय

परियोजना के लाभ
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निवेश आकर्षण
- पश्चिमी इंदौर के विकास को नई गति
- भारी यातायात के दबाव से राहत
- 300+300 मीटर बफर ज़ोन
- लॉजिस्टिक्स एवं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी
- रोज़गार के नये अवसरों का सृजन
- सिंहस्थ 2028 के लिए महत्वपूर्ण ट्रैफिक मार्ग

विकास सेक्टर
- IT / FinTech सिटी
- अप्रदूषणकारी उद्योग
- वाणिज्यिक क्षेत्र
- आवासीय क्षेत्र
- लॉजिस्टिक्स हब
- नागरिक उपयोग
- हरित बफर ज़ोन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP
D-11014/26
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

फैमिली टॉक

कई बार यह विचार परिवारों में आता है कि कम समय साथ रहने के बावजूद बच्चे पिता की ओर ज्यादा क्यों आकर्षित होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इसकी प्रमुख वजह है कि पिता ज्यादातर समय बच्चे के साथ खेल-कूद और मस्ती में बिताते हैं, जबकि मां का अधिकतर समय बच्चे की देखभाल, दिनचर्या और अनुशासन संभालने में चला जाता है। इसी वजह से बच्चे उनकी तरफ जयादा झुकाव महसूस करते हैं।

कम समय साथ रहने के बावजूद पिता की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं बच्चे!

आमतौर पर बच्चे ज्यादातर समय मां के साथ बिताते हैं, लेकिन इसके बावजूद कई बार उनका झुकाव पिता की ओर ज्यादा दिखाई देता है। यह बात कई पेरेंट्स के लिए हैरान करने वाली हो सकती है। एक्सपर्ट मानते हैं कि समय और लगाव दोनों एक जैसी चीज नहीं होते। बच्चे का भावनात्मक जुड़ाव इस बात पर ज्यादा निर्भर करता है कि वह किसी के साथ कैसे समय बिताता है, न कि कितनी देर साथ रहता है।

ज्यादातर घरों में मां बच्चे की रोजमर्रा की जरूरतें जैसे खाना, पढ़ाई और अनुशासन संभालती हैं। इसलिए बच्चा मां को जिम्मेदारी, नियम और देखभाल से जोड़कर देखने लगता है।

चाइल्ड केयर पर काम करने वाली डॉक्टर चांदनी कहती हैं कि पिता भले ही कम समय के लिए बच्चों के साथ रहते हों, लेकिन उस दौरान वे अक्सर उनके साथ खेलते हैं, मस्ती करते हैं और हल्की-फुल्की मजेदार बातचीत करते हैं। इसी वजह से बच्चा उनके साथ ज्यादा आरामदायक और खुश महसूस करता है। बच्चे का दिमाग मां और पिता के साथ होने वाले अलग-अलग भावनात्मक अनुभवों को अलग तरह से महसूस करता है। इसलिए स्वाभाविक रूप से उन्हें वह माहौल ज्यादा पसंद आता है जहां कम दबाव हो, ज्यादा आराम मिले और साथ में खेल-कूद या मजेदार एक्टिविटी शामिल हों।

ज्यादा साथ रहने से भी आती है दूरी

यकीन करना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन कई बार बहुत ज्यादा लगातार साथ रहना भी बच्चे और माता-पिता के बीच हल्का तनाव पैदा कर सकता है। जो माता-पिता बच्चे की रोजमर्रा की देखभाल करते हैं, वही अक्सर उसे अनुशासन और नियम भी सिखाते हैं। यह जिम्मेदारी आमतौर पर मां के हिस्से में ज्यादा आती है, इसलिए बच्चा मां को प्यार के साथ-साथ सीमाओं और सख्ती से भी जोड़ने लगता है।

समय की कमी भी है एक वजह

माता-पिता कम समय के लिए साथ होते हैं, वे उस समय बच्चे पर पूरा ध्यान देते हैं। बच्चे यह बात जल्दी समझ लेते हैं कि ऐसे समय में डांट-फटकार या सख्ती कम होती है और इसलिए उनके लिए पिता एक ऐसे व्यक्ति बन जाते हैं जिनके साथ उम्मीदें कम और मस्ती ज्यादा होती है। मदर्स को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह प्यार की कमी नहीं है, बल्कि परिवार में जिम्मेदारियों और भूमिकाओं के बंटवारे का सामान्य परिणाम है। ऐसी स्थिति में मदर्स को सबसे पहले पिता के साथ रिश्ते की तुलना करना बंद करना चाहिए और बच्चे के साथ अपने बातचीत करने के तरीके पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही, यह कोशिश करनी चाहिए कि बच्चे के साथ ऐसा समय बिताया जाए जो सिर्फ देखभाल या सुधार तक सीमित न हो, बल्कि उसमें खेल, मस्ती या बिना किसी योजना के साथ रहना भी शामिल हो। अगर सख्ती और अनुशासन वाले पलों के साथ-साथ खुशी और हल्के-फुल्के और मजेदार पलों को भी बढ़ाया जाए, तो धीरे-धीरे बच्चे के मन में मां के प्रति अनुभव और जुड़ाव बेहतर होने लगता है।

पिता कैसे संभाले यह स्थिति

इस स्थिति को संतुलित करने में पिता भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। वे बच्चे की दिनचर्या और अनुशासन में सक्रिय रूप से शामिल होकर मां पर सिर्फ सीमाएं तय करने की जिम्मेदारी का दबाव कम कर सकते हैं। वहीं, जब दोनों माता-पिता जिम्मेदारी और आनंद को समान रूप से बांटते हैं, तो बच्चे का जुड़ाव मां और पिता दोनों के साथ संतुलित रूप से विकसित होता है। लेकिन अगर पिता केवल मस्ती वाले पलों में ही शामिल रहते हैं, तो यह असंतुलन को सुधारने के बजाय और बढ़ा सकता है। लगाव सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि बच्चे ने किसी के साथ कितना समय बिताया, बल्कि इस पर भी निर्भर करता है कि उस समय का अनुभव कैसा था। बच्चे किसी एक माता-पिता को दूसरे से ज्यादा नहीं चुनते, बल्कि वे अपने रोजमर्रा के अनुभवों के आधार पर दोनों से अलग-अलग तरह से जुड़ते हैं। जब इस बात को सही तरीके से समझ लिया जाता है, तो तुलना, अपराधबोध और तनाव कम हो जाता है और स्थिति को बेहतर और व्यावहारिक तरीके से संभाला जा सकता है।

जीवन-ज्योति

कर्मों से जुड़ा होता है पति-पत्नी का रिश्ता.. प्यार, सम्मान व समझ से होता है मजबूत

सिस्टर बीके शिवानी
प्रेरक वक्ता, आध्यात्मिक गुरु

आमतौर पर शादी को भाग्य से जुड़ा हुआ समझा जाता रहा है, लेकिन तलाक भी इसी का हिस्सा है। ऐसे में क्या आपकी शादी भी खतरे में है? तलाक से कैसे बचा जा सकता है? हम लोगों के साथ जो भी रिश्ता साझा करते हैं उसका हम पर कुछ न कुछ प्रभाव पड़ता है। हम कभी-कभी रिश्ते की भावना पर भी सवाल उठाते हैं। दो लोगों का मिलना शादी जैसे जीवनभर के बंधन में बंधना जरूर भाग्य से जुड़ा होता है। लेकिन इन रिश्तों को कमजोर करने वाले आयामों, हार्टब्रेक, धोखा किससे जुड़े हैं?

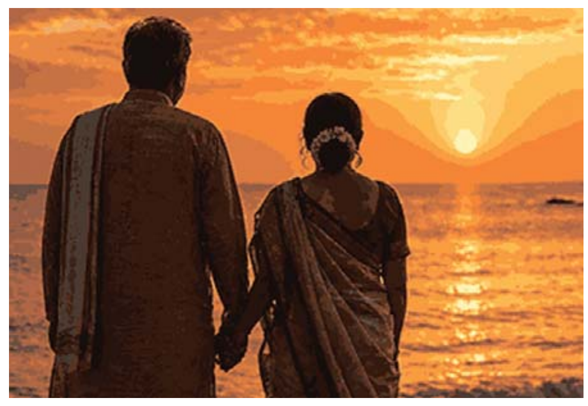

शादी को भले ही लोग भाग्य से जोड़ते हो लेकिन इसका एक सच यह भी है कि इसे करना और नहीं करना व्यक्ति के स्वयं का फैसला होता है। शादी हमारे संस्कार और कर्म से जुड़ा है। दो लोगों का एक साथ शादी के पवित्र बंधन में बंधना उनके कार्मिक पैटर्न का परिणाम होता है। यह किस्मत का वह हिस्सा होता है जिसके साथ आप बदलाव कर सकते हैं, लेकिन अपनी मान्यताओं और चिंताओं के कारण ऐसा करने की कोशिश नहीं करते हैं। दो लोगों का मिलना जिस तरह से किस्मत से जुड़ा है, उसी तरह उनके अलग होने में भी किस्मत की भागीदारी होती है। लेकिन इसे अपनी आज के कर्मों को सुधार कर पूरी तरह से बदला जा सकता है। क्योंकि किस्मत एक रोडमैप की तरह होती है, जहां हर व्यक्ति को अपना रास्ता खुद बनाना पड़ता है। ऐसे में आप अपने कर्मों के बारे में जागरूक होकर इसे बेहतर से बेहतर बना सकते हैं। किस्मत से हार मानना ठीक नहीं होता। किस्मत की चुनौतियों का सामना करके आप इसे अपने लिए अवसर बना सकते हैं। अपने कर्मों के बारे में सचेत रहें, नए और बेहतर कर्मों को करें अपने लिए संभावनाएं क्रिएट करें। ध्यान रखें हम सब अपनी रियलिटी खुद बनाते हैं।

और इसे प्यार, सम्मान व आपसी समझ से ही मजबूत बनाया जा सकता है। रिश्ते में अटैचमेंट (मोह) की जगह निःस्वार्थ प्यार जरूरी है जहाँ एक-दूसरे पर हक जताने के बजाय सम्मान और विश्वास को प्राथमिकता देते हैं।अनुसार रिश्ते के रिश्ते में अधिकार जताने के बजाय एक-दूसरे का सम्मान करना सबसे जरूरी है। पति-पत्नी का मिलन भाग्य से होता है, लेकिन रिश्ते की मजबूती आपके कर्मों पर निर्भर करती है। जब प्यार में अटैचमेंट (मोह) आता है, तो रिश्ते में तनाव बढ़ता है। प्यार आजादी देता है, जबकि मोह जकड़ता है। बातचीत के जरिए गलतफहमियों को दूर करें और अपने मन को शांत व सकारात्मक रखें। पार्टनर को वैसा ही स्वीकार करें जैसे वे हैं, बदलने की कोशिश न करें। पार्टनर से बहुत ज्यादा उम्मीदें न रखें, इससे दुख होता है।रिश्ता बदलने के लिए पहले खुद को बदलें। पार्टनर पर निर्भर रहने के बजाय खुद को खुश रखें।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 03 मई से 09 मई तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: आगामी सप्ताह में मेष राशि के जातकों को अत्यंत व्यस्तता एवं भाग दौड़ भरी जिंदगी रहने के संकेत हैं कार्य की अधिकता होने के कारण आपको अनेक स्थानों पर अनेक कार्यों को संपन्न करना होगा प्रसन्नता की बात यह है कि आपके परिवार में मांगलिक कार्य का शुभारंभ हो सकता है।

वृषभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे विगत दिनों से किया गया परिश्रम इस सप्ताह में फलीभूत होने के संकेत हैं। आप अपने कार्यों में निरंतरता रखें और कठिन परिश्रम कार्य सिद्धि का सूत्र बनेगा।

मिथुन: राशि के जातक घर परिवार के कार्यों के कारण कुछ चिंता ग्रस्त हो सकते हैं पारिवारिक जिम्मेदारियां घर में किसी बुजुर्ग के स्वास्थ्य के कारण आपको चिंता हो सकती है। व्यापार व्यवसाय में उतार चढ़ाव और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को सामान्य कष्ट का संकेत मिल रहा है।

कर्क: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं युवावस्था वाले जातकों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता साथी व्यापार व्यवसाय एवं नौकरी के क्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत मिल रहे हैं। स्त्री जातकों को अपने कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी।

सिंह: राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई भरा हो सकता है विशेष रूप से आप बाद विवाद से बच्चे एवं अपने निकट सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आपको विवाद में पढ़ने से कष्ट हो सकता है।

कन्या: राशि के जातकों को यह सप्ताह उत्तम लाभकारी सिद्ध होगा आपके व्यापार व्यवसाय एवं कार्य क्षेत्र में निरंतर प्रगति होगी। साथी घर परिवार के लंबित कार्य संपन्न होने से परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

तुला: राशि के जातक आगामी सप्ताह में बेहतर प्रदर्शन करके अपने कार्यक्षेत्र में प्रगति करेंगे ,मान सम्मान ,प्रतिष्ठा और धन की भी प्राप्ति होगी। अपने कार्य क्षेत्र में विस्तार करने का अवसर प्राप्त होगा। अधीनस्थों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक : राशि के जातक आगामी सप्ताह में वृश्चिक राशि के जातक आगामी सप्ताह में आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे, निरंतर कार्य करने से आपके लंबित कार्य पूर्ण होने का संकेत मिल रहा है, जो आपके जीवन में विशेष बदलाव ला सकता है।

धनु: राशि के जातक घर परिवार में और अपने कार्य क्षेत्र में अपने संगी साथियों के साथ सामंजस्य बनाकर रखें अन्यथा आप किसी अप्रिय विवाद में पढ़ सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और बातचीत में शब्दों का चयन सावधानी पूर्वक करें ,अन्यथा विवाद से आपको आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर: राशि के जातक आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त करेंगे आपके कार्यों में आपकी कार्यशैली का स्पष्ट प्रभाव दिखेगा, धैर्य से काम करने की प्रवृत्ति होने के कारण आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होंगे।

कुंभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं आपके कार्यों की उपेक्षा एवं आपके मान सम्मान में कमी करने का प्रयास किया जा सकता है जो की सफल नहीं होगा अपितु आपको संयम से काम लेने की आवश्यकता है, साथी आप अपने कार्यों में निरंतर रखें उच्च स्तर पर आपका मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी।

मीन: राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा अधिक अनुकूल रहने के संकेत मिल रहे हैं आपके जीवन में बदलाव के लिए इस सप्ताह में कोई नया कार्य का शुभारंभ हो सकता है, साथी आए के साधन व्यापार व्यवसाय एवं कृषि के कार्यों में बदलाव होकर सकारात्मक लक्षण दिखाई दे रहे हैं।

दिया कबीरा रोय

मोहल्ले का सर्कस और अपनी - अपनी दुकान

आलोक भदौरिया
0000

हमारा मोहल्ला, इन दिनों किसी सर्कस से कम नहीं लगता। पहले तो यहां सिर्फ कुत्तों के युद्ध और आंटियों की गपशप गूंजती थी, लेकिन अब हर दूसरा शख्स मोटिवेशनल स्पीकर बन गया है। ऐसा लगता है जैसे मोहल्ले में प्रेरणा का मेला लगा हो, जहां हर कोई अपनी-अपनी दुकान सजाए बैठा है।

पप्पू भैया, पहले चाय की टपरी पर 'कटिंग चाहिए?' पूछते थे, अब ब्लूटूथ स्पीकर और माइक लेकर गली में 'सपनों को उड़ान दो!' का राग अलापते हैं। उनका फंडा है: 'सपने वो नहीं जो सोते वक्त देखें, सपने वो जो आपको रील्स देखने से रोकें!' हर रविवार सुबह वह गली के नुक्कड़ पर सेमिनार लगाते हैं, जिसमें मोहल्ले के बच्चे-बूढ़े शामिल होते हैं- प्रेरणा के लिए कम, फ्री के समोसे की उम्मीद में ज्यादा। पप्पू भैया की प्रेरणा इतनी वायरल है कि उनकी इंस्टा रील्स को 100 लाइक्स मिल चुके हैं- 50 उनके अपने फेक अकाउंट्स से!

राधा आंटी, जिनकी सब्जी मोलभाव की कला को मोहल्ला सलाम करता है, अब 'लाइफ मोटिवेशन विद किचन मसाला' नाम से वॉट्सेएप ग्रुप चलाती हैं। उनका मंत्र है: 'जिंदगी एक कढ़ाई है, मेहनत का तेल डालो और सपनों का तड़का लगाओ!'

आंटी की खासियत है कि वो हर प्रेरणा को किचन से जोड़ देती हैं। जैसे, 'बेटा, अगर जिंदगी में दाल गल नहीं रही, तो थोड़ा धैर्य का प्रेशर कुकर लगाओ!' मोहल्ले की बाकी आंटियां उनके ग्रुप में इसलिए जुड़ी हैं, ताकि प्रेरणा के साथ-साथ नई रेसिपी भी मिल जाए।

बंटी, मोहल्ले का वो नौजवान जो दिनभर पान की दुकान पर क्रिकेट की कमेंट्री देता है, अब रील्स बनाकर मोटिवेशन बांट रहा है। उसका स्टाइल है डार्क ग्लासेस, चमकदार शर्ट और बैकग्राउंड में किसी बॉलिवुड गाने का म्यूजिक। उसका फेवरेट डायलॉग है: 'ब्रदर, लाइफ में सिक्सर मारो, चौका नहीं!' बंटी की रील्स में वह कभी जिम में पसीना बहाने की बात करता है (जबकि खुद दस कदम से ज्यादा नहीं चलता), तो कभी IAS बनने का सपना बेचता है (प्रीलिम्स का फॉर्म कैसे भरना है, ये उसे नहीं पता)। पिछले हफ्ते उसने एक रील में कहा, 'सुबह 5 बजे उठो, दुनिया जीत लो!' अगले दिन मोहल्ले वालों ने उसे 11 बजे तक सोते देखा। बंटी का मोटिवेशन इतना 'प्रैक्टिकल' है कि मोहल्ले का कुत्ता शेरू भी उसकी रील्स देखकर भौंकना भूल गया! मोहल्ले के बुजुर्ग मास्टर साहब, जो पहले बच्चों को डांटकर भगाने के लिए मशहूर थे, अब 'जीवन के सबक' बांटते हैं। उनका स्टाइल पुराने जमाने का है, 'बेटा, मेहनत करो, पसीना बहाओ, और मोहल्ले की नाली साफ करवाओ!' वह हर बात में 70 के दशक का जिक्र छेड़ देते हैं, 'हमारे जमाने में मोटिवेशन की जरूरत नहीं थी, क्योंकि रोटी कमाने की आग थी!' मास्टर साहब की सभाओं में मोहल्ले के बच्चे सिर्फ इसलिए आते हैं, क्योंकि उनके पास मुफ्त की टॉफी होती है।

मोहल्ले में ये मोटिवेशनल मेला इतना रंगीन है कि हर कोई प्रेरणा बांटने में लगा है, मगर सुनने वाला कोई नहीं। सवाल है कि क्या ये प्रेरणा मोहल्ले को बदल देगी या बस हंसी का रेला बनकर रह जाएगी? जवाब का इंतजार है, पर तब तक मोहल्ले का नारा है, 'सपने देखो, हंसो और गली की टूटी सड़क को भूल जाओ!'

नॉलेज

ब्लैक होल और सुपरनोवा से आने वाले सिग्नल्स के खुलासे ने वैज्ञानिकों को चौंकाया

ब्रह्मांड की गहराइयों से आने वाली कॉस्मिक किरणें हमेशा से वैज्ञानिकों के लिए एक अनसुलझी पहेली रही हैं। खोज के एक दशक बाद भी हम यह पूरी तरह नहीं जान पाए हैं कि ये किरणें कहां से आती हैं और इनका व्यवहार कैसा है। हाल ही में डार्क मैटर पार्टिकल एक्सप्लोरर यानी स्पेस टेलिस्कोप ने इस दिशा में एक क्रांतिकारी खुलासा किया है। इंटरनेशनल मिशन के तहत की गई इस रिसर्च में यूनिवर्सिटी ऑफ जेनेवा के वैज्ञानिकों ने भी हिस्सा लिया है। इस स्टडी में पाया गया है कि ये किरणें एक खास ऊर्जा स्तर पर पहुंचने के बाद अपना व्यवहार बदल लेती हैं.। नेचर जर्नल में छपी यह रिपोर्ट बताती है कि इन किरणों में 15 टेरावोल्ट के पास एक 'स्पेक्ट्रल ब्रेक' देखा गया है।

ब्रह्मांड में कॉस्मिक किरणें सबसे अधिक ऊर्जा वाले कण होते हैं. इनकी ऊर्जा धरती पर इंसानों द्वारा बनाए गए किसी भी पार्टिकल एक्सेलेरेटर से कई गुना ज्यादा होती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये किरणें सुपरनोवा विस्फोट, ब्लैक होल से निकलने वाली जेट्स या फिर पल्सर जैसे खतरनाक खगोलीय पिंडों से निकलती हैं। DAMPE सैटेलाइट को साल 2015 में इन्हीं किरणों और डार्क मैटर की गुत्थी सुलझाने के लिए लॉन्च किया गया था। यूनिवर्सिटी ऑफ जेनेवा के विशेषज्ञों ने टेलिस्कोप के हाई प्रिसिजन डेटा का एनालिसिस किया है। इसमें प्रोटॉन से लेकर आयरन तक के सभी प्राइमरी कॉस्मिक रे न्यूक्लिआई का अध्ययन किया गया है। रिसर्च में यह सामने आया कि ये किरणें केवल प्रोटॉन ही नहीं बल्कि हीलियम, कार्बन, ऑक्सीजन और आयरन के न्यूक्लियस से भी बनी होती हैं।

इस रिसर्च का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा 'स्पेक्ट्रल सॉफ्टनिंग' का पाया जाना है। इसका मतलब यह है कि जब इन किरणों की ऊर्जा एक खास पॉइंट पर पहुंचती है, तो कणों की संख्या बहुत तेजी से घटने लगती है। यह बदलाव 15 टेरावोल्ट (TV) की ऊर्जा के आसपास देखा गया है. इसे विज्ञान की भाषा में रिजिडिटी कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो रिजिडिटी यह बताती है कि कोई कण मैग्नेटिक फील्ड के खिलाफ कितनी मजबूती से अपना रास्ता बनाए रख सकता है। सभी तरह के न्यूक्लिआई में एक ही पॉइंट पर यह बदलाव दिखना एक 'यूनिवर्सल फीचर' की तरफ इशारा करता है। इससे पहले कई अलग-अलग मॉडल इन किरणों के बारे में अपनी थ्योरी दे रहे थे, लेकिन DAMPE के डेटा ने अब पुरानी कई थ्योरी को गलत साबित कर दिया है। कॉस्मिक किरणें मुख्य रूप से प्रोटॉन से बनी होती हैं, लेकिन इनमें हीलियम, कार्बन, इस बड़ी सफलता के पीछे जेनेवा की टीम का हाथ बहुत अहम रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये नतीजे हमें यह समझने में मदद करेंगे कि हमारी गैलेक्सी में ये किरणें कैसे ट्रैवल करती हैं। इससे यह भी पता चलेगा कि इंटरस्टेलर स्पेस में कणों के फैलने का तरीका क्या है. यह खोज आने वाले समय में हाई-एनर्जी पार्टिकल फिजिक्स की पूरी परिभाषा बदल सकती है।

न्यूज विंडो

अवैध रेत खनन करते 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली और 2 मोटरबोट जब्त

नर्मदापुरम। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संसाधनों के अवैध उत्खनन, भंडारण और परिवहन के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई जारी है। खनिज एवं राजस्व विभाग के संयुक्त प्रयासों से शनिवार को विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और दो मोटरबोट जब्त कर ली गईं। ग्राम कजलास (तहसील डोलरिया) से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली और ग्राम ग्वाडी (तहसील सिवनी मालवा) से दूसरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत का अवैध परिवहन करते पकड़ा गया। दोनों वाहनों को जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया। उधर, ग्राम पथाड़ा (तहसील सिवनी मालवा) में नर्मदा नदी से अवैध रेत उत्खनन के दौरान दो मोटरबोट पकड़ी गईं, जिन्हें शिवपुर थाने में पुलिस हिरासत में रखा गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर भविष्य में भी ऐसी सतत कार्रवाई जारी रहेगी। दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

खरीदी केंद्रों पर सैकड़ों बोरा अनाज भीगा, किसानों को भी हुआ नुकसान

गंजबासौदा। शनिवार को आई तेज आंधी और बारिश ने समर्थन मूल्य पर संचालित खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। खुले में रखे गेहूं और चने के सैकड़ों बोरे भीग गए। बताया जा रहा है कि खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त तिरपाल और सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था नहीं होने के कारण अनाज खुले में रखा हुआ था। अचानक मौसम खराब होने से बारिश शुरू हो गई, जिससे बोरे भीगकर खराब होने की स्थिति में पहुंच गए। स्थिति यह रही कि कई किसानों की ट्रॉलियों में रखा अनाज भी बारिश की चपेट में आ गया, वहीं तौला जा चुका चना भी सुरक्षित नहीं रह सका। किसानों का कहना है समय रहते कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए, जिसके चलते अनाज के बोरे भीग गए। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि खरीदी केंद्रों पर पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचा जा सके।

बेमौसम तेज बारिश ने जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

नपा की लापरवाही उजागर... दुकानों में घुसा पानी, स्टेशन रोड हुआ जलमग्न

> नपा की लापरवाही के चलते मेरी हमारी दुकानों में एक फिट तक पानी भरने से सामान का काफी नुकसान हो गया, यह तों बे मौसम बारिश थी बारिश के दिनों में और बुरा हाल होगा।
>
> **-जुगल मैथिल,** दुकानदार

> स्टेशन रोड पर जलभराव की शिकायत के बाद तुरंत अमले को भेजकर पानी की निकासी सुनिश्चित कराई गई है, आगे से ऐसे हालात न बने इसके पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।
>
> **-प्रशांत जैन,** नपा सीएमओ

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर मंडीदीप में गत दिवस शुरू हुई बेमौसम तेज बारिश ने पूरे जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। शाम 3 बजे से शुरू हुई मूसलाधार बारिश के कारण शहर की लाइफलाइन मानी जाने वाली स्टेशन रोड पूरी तरह जलमग्न हो गया। आधा दर्जन से अधिक दुकानों में पानी घुस गया, जबकि वार्ड 1 बगीचा कॉलोनी में कई घरों में भी पानी भर गया।

स्थानीय लोगों ने इस हालात के लिए नगर पालिका की घोर लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। आरोप है कि नपा द्वारा नालियों की नियमित सफाई न किए जाने के कारण छोटी सी बारिश में ही शहर पानी-पानी हो गया। सोशल मीडिया पर स्टेशन रोड पर जमा पानी के वीडियो वायरल होने के बाद नपा प्रशासन की नींद टूटी। अमला मौके पर पहुंचा और नाली सफाई का अभियान शुरू किया, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। स्थानीय व्यापारियों और निवासियों ने नाराजगी जताते हुए कहा, ÷हर बार बारिश में यही हाल होता है। नपा वाले केवल पानी भरने के बाद ही सक्रिय होते हैं। स्टेशन की यह तस्वीर एक बार फिर साबित करती है कि प्रशासन की सुस्ती और लापरवाही कितनी महंगी पड़ सकती है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राममणि द्विवेदी को नगरीय निकाय चुनाव का प्रदेश महासचिव किया नियुक्त

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

नगर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई जब सामाजिक कार्यकर्ता एवं कांग्रेस नेता राममणि द्विवेदी को मध्यप्रदेश नगरीय निकाय चुनाव का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया। उनकी इस नियुक्ति को लेकर मंडीदीप सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है।

द्विवेदी की नियुक्ति पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं संगठन मंत्री संजय काबले के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कांग्रेस नेता राममणि द्विवेदी को मध्यप्रदेश नगरीय निकाय चुनाव का प्रदेश महासचिव नियुक्त होने पर कहा की मुझे पार्टी नेतृत्व द्वारा दी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए मैं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, संगठन मंत्री संजय काबले एवं सभी वरिष्ठ नेताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के क साथ कार्य करते हुए पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा तथा मध्यप्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर काम करता रहूंगा। नगर के कार्यकर्ताओं ने कहा कि राममणि द्विवेदी के नेतृत्व में पार्टी को मजबूती मिलेगी और आगामी नगरीय निकाय चुनाव में बेहतर परिणाम सामने आएंगे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की और एक-दूसरे को बधाई दी।

युवक की उज्जैन में गला घोंटकर हत्या

रतलाम। दोपहर मेट्रो

जिले के आलोट पुलिस अनुभाग में विक्रमगढ़ से लापता 22 वर्षीय युवक मनीष माली की निर्मम हत्या ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया है। शुक्रवार रात रहस्यमयी ढंग से गायब हुए मनीष का शव महज 19 घंटे के भीतर शनिवार शाम उज्जैन के नीलगंगा थाना क्षेत्र से बरामद होते ही सनसनी फैल गई। घटना के विरोध में आलोट में जनाक्रोश फूट पड़ा। थाने के बाहर हजारों की भीड़ जमा हो गई, महिलाओं ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया और हालात बेकाबू होते नजर आए। इस दौरान पुलिस थाने पर पथराव भी किया व गेट तोड़ने की को?शिश की गई। मनीष माली (22), पिता दिनेश माली, वार्ड-14 विक्रमगढ़ का निवासी था। शुक्रवार रात करीब 10=30 बजे वह बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने शनिवार सुबह आलोट थाने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों के अनुसार, करीब डेढ़ साल पहले मनीष का विक्रमगढ़ निवासी मयंक उर्फ महेंद्र से एक शादी समारोह में विवाद हुआ था। इसी रंजिश के चलते आरोप है कि मयंक और उसके साथियों ने मनीष का अपहरण कर लिया। एसडीओपी पल्लवी गौर के मुताबिक, पुलिस ने मुख्य आरोपी महेंद्र उर्फ मयंक माली सहित रितेश, निखिल और यश मुजफ्फर को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने पहले शराब पार्टी की, फिर मनीष को कार से उज्जैन ले जाकर हाटकेश्वर कॉलोनी स्थित कमरे में रखा। यहां किसी युवती के विवाद को लेकर फिर कहासुनी हुई और गुस्से में आकर आरोपियों ने मनीष की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी आलोट लौट आए। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर उज्जैन पहुंचकर कमरे से शव बरामद किया, जिसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने अपने मोबाइल फोन रिसेट कर दिए थे, जिससे सबूत मिटाने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल सभी आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं और पूछताछ जारी है। हत्या की खबर मिलते ही आलोट में माहौल गरमा गया।

हेलमेट अभियान: 933 चालकों पर चालान 2.81 लाख का जुर्माना, लाइसेंस निलंबन शुरू

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

सड़क हादसों में बढ़ती मौतों को रोकने के लिए प्रदेशव्यापी हेलमेट अभियान के तहत नर्मदापुरम पुलिस ने सख्ती बरती है। मात्र 6 दिनों में 933 दोपहिया चालकों पर चालान काटे गए और 2.81 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। सभी के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। 26 अप्रैल से चल रहे इस विशेष अभियान में पुलिस अधीक्षक साईंकृष्ण एस. थोटा और एएसपी अभिषेक राजन के निर्देश पर 16 थानों और यातायात पुलिस ने 3000 से ज्यादा वाहनों की जांच की। आंकड़े चौंकाने वाले हैं– दोपहिया हादसों में 80त्न मौतें बिना हेलमेट वालों की होती हैं।

यातायात उपाधीक्षक संतोष मिश्रा ने बताया कई चालक हेलमेट तो पहनते हैं, लेकिन चिन स्ट्रैप नहीं बांधते या फेस शील्ड हटाकर चलते हैं। हम इन्हें सही उपयोग और ढ्ढस्ढ्ढ मार्क वाले हेलमेट चुनने की सलाह दे रहे हैं।चेकिंग 10 मई तक जारी रहेगी। पुलिस ने दंड के साथ जागरूकता पर भी जोर दिया। 91 कार्यक्रमों में 4753 लोगों को हेलमेट के महत्व पर समझाया गया। डीएसपी मिश्रा नें अपील की है हेलमेट चालान से बचाव नहीं, जान बचाने का हथियार है। परिवार को भी प्रेरित करें।

जिला सीईओ ने किया उपार्जन केन्द्रों का सघन निरीक्षण

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन ने नर्मदापुरम जिले के कई गेहूँ उपार्जन केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को सुधारने एवं खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी रखने के निर्देश दिए। यह निरीक्षण कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार गेहूँ उपार्जन कार्य को सुचारू और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया।

निरीक्षण के दौरान हिमांशु जैन ने नीलम वेयरहाउस सनखेड़ा, ज्योति वेयरहाउस घाटली, रघुवीर वेयरहाउस, नारी शक्ति स्व-सहायता समूह मेहरागांव तथा सेमरीखुर्द उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। उन्होंने किसानों के लिए छाया, शीतल पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने को केन्द्र प्रभारियों का निर्देश दिया। सीईओ जैन ने यह भी स्पष्ट किया कि उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी, समयबद्ध और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए जिला एवं खंड स्तरीय उपार्जन समितियों द्वारा नियमित निरीक्षण जारी रखा जाएगा। उन्होंने शासन के मापदंडों के अनुरूप ही गेहूँ खरीदी करने, हम्मालों की संख्या बढ़ाकर टोली में देरी न होने देने तथा केवल मानक गुणवत्ता (स्नक्तस्तर) के गेहूँ का उपार्जन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान नारी शक्ति स्व-सहायता समूह में पदस्थ सर्वेयर द्वारा अमानक गुणवत्ता का गेहूँ खरीदे जाने की पुष्टि होने पर संबंधित सर्वेयर को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए।इसके अलावा, भारतीय खाद्य निगम के इटारसी डिपो में गेहूँ अनलोडिंग के दौरान ट्रकों में अधिक मिट्टी की मात्रा वाला गेहूँ पाए जाने पर सेमरीखुर्द समिति, सरस्वती स्व-सहायता समूह एवं शिवांश वेयरहाउस माखननगर के खरीदी प्रभारियों के विरुद्ध जांच एवं विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।ल नर्मदापुरम कृषि उपज मंडी के उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए हिमांशु जैन ने सांसद दर्शन सिंह चौधरी के साथ किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए।

10 साल बाद रेलवे का मेगा ऑडिट

ट्रेन रुकेगी नहीं, जहां है वहीं होगी कोचों की गिनती

इटारसी। दोपहर मेट्रो

भारतीय रेलवे अपनी सबसे मूल्यवान संपत्ति - यात्री कोचों - का एक दशक बाद सबसे बड़ा भौतिक ऑडिट करने जा रहा है। 12 मई को देशभर के रेल नेटवर्क पर मौजूद हर एक कोच की गिनती और जांच होगी, बिना ट्रेनों की रफ्तार थामे। ट्रेन जहां होगी, वहीं यार्ड, कोच फैक्ट्रियां, वॉशिंग सेंटर और स्टेशनों पर टीमें पहुंचेंगी।

मुख्य अभियान से पहले 10 मई को मॉक ड्रिल होगी। भोपाल मंडल के इटारसी जैसे बड़े जंक्शनों पर खास तैयारी जोरों पर है। 12 मई को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक टीमें हर जगह कोचों का ब्यौरा लेंगी। यह सिर्फ गिनती नहीं, बल्कि हर कोच की 32 मापदंडों पर विस्तृत रिपोर्ट होगी। इसमें कोच की स्थिति, बनावट, सुविधाएं, तकनीकी डेटा और मेंटेनेंस इतिहास शामिल है। पुराने कोचों का पता चलेगा, सिस्टम का डेटा अपडेट होगा। भोपाल मंडल के पीआरओ नवल अग्रवाल ने बताया कि इस मेगा ऑपरेशन से कोच डेटा सटीक होगा, मेंटेनेंस प्लानिंग मजबूत बनेगी और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी।

मेट्रो एंकर अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीणभाई तोगड़िया का दो दिवसीय नगर आगमन

देशभर में एक लाख श्री हनुमान चालीसा केंद्र शुरू करेंगे: तोगड़िया

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीणभाई तोगड़िया का दो दिवसीय नगर आगमन हुआ। ललितपुर से भोपाल जाते समय वे नगर में रुके, जहां उनका कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।शुक्रवार को डॉ. तोगड़िया कथा व्यास पंडित गिरजेश मिश्रा के निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। इस दौरान माँ अन्नपूर्णा मंदिर में श्री हनुमान चालीसा केंद्र का शुभारंभ भी किया गया। वहीं आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. तोगड़िया ने हिन्दू समाज के संगठन और सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि उनका संकल्प एक ऐसे हिन्दू राष्ट्र के निर्माण का है, जहां हर व्यक्ति को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा और सुरक्षा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि देशभर में एक लाख श्री हनुमान चालीसा केंद्र शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे समाज को संगठित किया जा सके।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर कहा कि इसे जल्द लागू किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि कानून का उल्लंघन करने वालों को सरकारी सुविधाओं और मतदान अधिकार से वंचित किया जाए। पत्रकार वार्ता के बाद डॉ. तोगड़िया ने स्थानीय नागरिकों और हितचिंतक परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान गोविंद नारायण खंडेलवाल, चन्द्रहास सेन श्रीवास, हरिनारायण दुबे, जिला अध्यक्ष संजय शर्मा, शिव नारायण सेन, विघाशंकर शर्मा और मनोज रावत सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद डॉ. तोगड़िया भोपाल के लिए रवाना हो गए।

सरकारी टीचर के घर पर जानलेवा हमला कर दी जान से मारने की धमकी, शिकायत पर पुलिस कर रही पड़ताल

युवक महिला को लेकर भागा, गुस्साए लोगों ने की मारपीट और तोड़फोड़

धार। दोपहर मेट्रो

सरकारी टीचर पर हमला करने का मामला सामने आया हैं, पीड़ित टीचर का बेटा गांव की ही विवाहित महिला को लेकर भाग गया था। इसी बात पर नाराज होकर आरोपियों ने जानलेवा हमला किया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने सरकारी टीचर के कपड़े भी फाड दिए। साथ ही घर में भी तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया हैं, आरोपियों ने शिक्षक रमेश पिता पुनाजी प्रजापत उम्र 54 साल को जान से मारने की धमकी दी है। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची व मामले की जांच में जुट गई है।

शनिवार सुबह पुलिस ने गांव में दबिश दी तथा हमला करने वाले 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, इधर देर शाम तक पुलिस प्रकरण को लेकर आरोपियों से थाने पर पूछताछ कर रही है। जल्द ही आरोपियों को कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा। राजोद थाना अंतर्गत ग्राम रानीखेडा निवासी रमेश प्रजापत के घर पर कल देर रात हमला हुआ था। दरअसल रमेश का बेटा आरोपी शांतिलाल की पत्नी को लेकर कुछ दिन पहले भाग गया था, महिला के पहले से ही दो बच्चे हैं। इसके बावजूद शिक्षक के बेटे के साथ भाग गई। विवाद के दौरान आरोपी शांतिलाल परिजनों के साथ शिक्षक के घर पहुंचा व महिला ज्योति को ले जाने की बात पर मारपीट की थी। आरोपियों ने लोहे के सरिये से शिक्षक की पत्नी ग्यारसीबाई पर हमला किया था। आरोपियों ने दरवाजे व खिडकी तोडकर घर में नुकसान भी पहुंचाया था। पुलिस ने शांतिलाल पिता भागीरथ, संजय पिता रतनलाल, शंकर पिता भागीरथ, कन्हैरयालाल पिता गणपत, राहुल पिता रमेश, राजाराम पिता नारायण, भेरु पिता माधु, ग्यारसीबाई, गुडडीबाई के खिलाफ मारपीट, बलवा सहित तोडफोड की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। सरकारी टीचर पर हुए हमले के प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी विश्व दीप सिंह परिहार के निर्देशन व थाना प्रभारी रामसिंह राठौर पुलिस टीम को लेकर गांव पहुंचे व आरोपियों को उनके घरों से अरेस्ट कर थाने पर लेकर आए है।

महिला की तलाश जारी

शांतिलाल की पत्नी ज्योति को शिक्षक रमेश का बेटा राहुल प्रजापत 25 अप्रैल को लेकर भाग गया था। राहुल व ज्योति दोनों के दो–दो बच्चे हैं, विवाहित होने के बावजूद दोनों गांव छोड़कर चले गए। राजोद पुलिस ने महिला के गुम होने की सूचना के बाद ज्योति की तलाश शुरु कर दी हैं, किंतु एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद राहुल व ज्योति की कोई जानकारी पुलिस को नहीं मिली है। विवाहित महिला को भगाकर ले जाने की बात पर ही आरोपियों ने शिक्षक परिवार पर हमला किया था। थाना प्रभारी रामसिंह राठौर ने बताया कि शिक्षक रमेश प्रजापत पर हमला हुआ था। घर पर तोडफोड भी हुई हैं, पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर सभी आरोपियों को राउंडअप कर लिया है। महिला को भगाकर ले जाने की बात पर आरोपियों ने विवाद किया था। ज्योति नाम की महिला की तलाश जारी है।

न्यूज विंडो

शहर में घूम रहा था जिला बदर आरोपी थाना केंट पुलिस ने किया गिरफ्तार

सागर. गुंडा-बदमाशों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी के तहत केंट थाना पुलिस ने जिला बदर आरोपी को शहर में घूमते धर दबोचा. मिली जानकारी के अनुसार नगर पुलिस अधीक्षक ललित कुमार कश्यप को लगातार सूचना प्राप्त हो रही थी कि जिला बदर आरोपी अक्कू उर्फ आकाश जाटव, उम्र 32 वर्ष, निवासी 14 मुहल्ला सदर बाजार, थाना केंट पुनः शहर में आकर न केवल जिला बदर आदेश का उल्लंघन कर रहा है, बल्कि अवैध गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में भी है। उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए सीएसपी कश्यप द्वारा तत्काल प्रभाव से सूचना तंत्र को सक्रिय किया गया एवं स्वयं मॉनिटरिंग करते हुए आरोपी की पतारसी के लिए प्रभावी रणनीति बनाई गई। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप आरोपी की सटीक लोकेशन की जानकारी प्राप्त हुई। थाना प्रभारी केंट को विस्तृत दिशा-निर्देश देते हुए आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए निर्देशित किया गया। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 14 मुहल्ला, सदर बाजार क्षेत्र में दबिश दी गई एवं आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी को पूर्व में जिला दण्डाधिकारी सागर द्वारा जिला बदर किया गया था, बावजूद इसके वह आदेश की अवहेलना करते हुए शहर में घूमता पाया गया। आरोपी के विरुद्ध धारा 223 भारतीय न्याय संहिता एवं मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय तेंदुआ दिवसः जंगल में करीब 30 से ज्यादा तेंदुए

सतपुड़ा के जंगलों में बढ़ा तेंदुओं का कुनबा, 54 प्रतिशत भू-भाग पर जंगल

बुरहानपुर। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा की पहाड़ियों के बीच बसे बुरहानपुर के जंगल में तेंदुओं का कुटुंब बढ़ रहा है। 8 रेंज में फैले एक लाख 90 हजार हेक्टेयर के जंगल के साथ सीमा से लगे महाराष्ट्र के मेलघाट टाइगर रिजर्व की तरफ से वन्य प्राणियों का आवागमन होता है। यहां लगातार वन्य प्राणी देखने को मिल जाते हैं। नेपानगर, शाहपुर, खकनार के साथ धूलकोट, बुरहानपुर रेंज में अभी तेंदुओं का मूवमेंट देखने को मिल रहा है। वन्य अभ्यारण्य बनने से वन्य प्राणियों की सुरक्षा मजबूत होगी। इंदौर के चिड़िया घर में वन्यप्राणी अठखेलियां करते नजर आते हैं। जिन्हें देखकर पर्यटक रोमांचित हो उठते हैं और उन पलों को कैमरे में कैद कर लेते हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि जिले में लगभग 54 प्रतिशत भू-भाग पर जंगल है। टाइगर, तेंदुओं के साथ वन्य प्राणियों की विभिन्न प्रजातियां है। जंगल में करीब 30 से ज्यादा तेंदुए है। जंगल महाराष्ट्र के मेलघाट टाइगर रिजर्व से लगा होने से बड़ी संख्या में वन्य प्राणी जंगल में पहुंच जाते हैं। गर्मी के समय पानी की कमी के कारण तेंदुए सहित अन्य वन्य प्राणी जलस्त्रोतों के आसपास रुख कर रहे हैं। शासन ने महाराष्ट्र सीमा से लगे खकनार और बोदरली रेंज के जंगल में महात्मा गांधी अभयारण्य बनाने की मंजूरी दी है। यह अभयारण्य बनने से वन्य प्राणियों की सुरक्षा बढ़ेगी। दोनों रेंज में 40 हजार एकड़ से ज्यादा वनक्षेत्र आरक्षित किया जाएगा। जंगलों में आने वाले बाघ और तेंदुओं को अपना कुनबा बढ़ाने के लिए अनुकूल और सुरक्षित वातावरण मिलेगा। जंगल में तेंदुओं के साथ भालू, सियार, लकड़बग्घा, लोमड़ी, जंगली बिल्ली सहित मांसाहारी वन्यप्राणियों की मौजूदगी बढ़ेगी।

बंभाड़ा, नेपानगर में मवेशियों का शिकार

शाहपुर के बंभाड़ा में दो साल से लगातार एक मादा तेंदुए का मूवमेंट बना हुआ है। यहां के ग्रामीण बताते है कि मादा तेंदुए के साथ शवक भी नजर आए थे। घरों के बाहर बंधे मवेशियों का शिकार किया था। नेपानगर में भी कई बार तेंदुए मवेशियों का शिकार करते है। तेंदुआ या अन्य वन्य प्राणी किसी मवेशी का शिकार करता है तो इसके लिए मुआवजे का प्रावधान है। वन विभाग एसडीओ अजय सागर ने बताया कि पूरी प्रक्रिया के बाद संबंधित व्यक्ति के खाते में राशि जमा हो जाती है। जिले के जंगल में तेंदुओं की संख्या अधिक है, घने जंगल, पहाड़ियों के पास लगातार कुटुंब बढ़ रहा है। जंगल में वन्य प्राणियों के लिए पानी और भोजन दोनों पर्याप्त है। वन्य अभयारण्य प्रक्रिया में है।

छात्र अलंकरण समारोह में विद्यार्थियों की उपलब्धियों का हुआ सम्मान

सागर। दोपहर मेट्रो

सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल मकरोनिया में सत्र 2025-26 के अंतर्गत कक्षा दशम के विद्यार्थियों का अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरयावली विधायक प्रदीप लारिया रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनील देव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका मकरोनिया के अध्यक्ष मिहीलाल अहिरवार ने की। हाई स्कूल परीक्षा परिणाम 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड एवं पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। इस वर्ष विद्यालय के 28 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। समारोह में सुनील देव ने राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं मुख्य अतिथि विधायक लारिया ने सरस्वती शिशु मंदिर की संस्कारयुक्त शिक्षा पद्धति की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में समिति परिवार से अध्यक्ष के. कृष्णा राव, सदस्य राजेंद्र नेमा, व्यवस्थापक कपिल सिंह कुशवाह सहित अन्य उपस्थित रहे। साथ ही प्राचार्य रुचि मिश्रा, प्राचार्य रश्मि अरेले, समस्त आचार्य परिवार, अभिभावकगण, माताएं एवं बहनों की भी सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन सौभाग्य सिंह ठाकुर एवं पूजा खरे द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन विद्यालय व्यवस्थापक कपिल सिंह कुशवाह ने व्यक्त किया।

मजदूर दिवस पर हर्षोल्लास के साथ किया झंडा रोहण

अनूपपुर । दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सीटू जिला समिति अनूपपुर द्वारा जैतहरी, जमुना कोतमा, राजनगर एवं जे एम एस नार्थ प्राइवेट कोल माइंस बसखला में ध्वजारोहण एवं सभा की गई। उक्त आशय की जानकारी सीटू जिला समिति अनूपपुर के महासचिव कामरेड इन्द्र पति सिंह ने देते हुए बताया कि विश्व भर के मेहनतकशों को संकटग्रस्त नवउदारवादी पूंजीवादी व्यवस्था के तीव्र हमलों, आक्रामक साम्राज्यवादी प्रभुत्ववादी आक्रमणों के खिलाफ संघर्ष कर रहे और अपने अधिकारों, आजीविका और सम्मान की रक्षा कर रहे श्रमिकों के साथ सीटू जिला समिति अनूपपुर ने एकजुटता दिखाया है।

बसखला में आयोजित सभा एवं काव्यगोष्ठी को कोयला श्रमिक संघ सीटू जे एम एस नार्थ प्राईवेट कोल माइंस उरतन उरतान बसखला शाखा के अध्यक्ष कामरेड धर्मदास ने संबोधित करते हुए कहा कि कंपनी ने मजदूरों को उनके मूल भूत सुविधाएं एवं अधिकारों से वंचित कर रखा है, उन्होंने कम्पनी प्रबंधन के शोषण नीति एवं वायदाखिलाफी से बाज़ आने एवं मजदूर किसान हितों पर काम करने की मांग किया। विचार गोष्ठी एवं काव्य गोष्ठी में उन्होंने श्रमिक के अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करने, श्रमिक एकता मजबूत करने, पूंजीवादी और साम्राज्यवादी शोषण की खात्मा करने,

शोषण विहीन समाज का निर्माण करने एवं समाजवाद की दिशा में संघर्ष को आगे बढ़ाने की अपील किया।

सीटू के वरिष्ठ नेता कामरेड महेश श्रीवास्तव अपने उद्बोधन में कहा कि वैश्विक पूंजीवादी व्यवस्था मेहनतकश जनता के जीवन में गहरे संकट पैदा कर दिया है जिसके कारण जनता के सामने बेरोजगारी, असमानता और भूख दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस संकट का बोझ श्रमिकों पर डाला जा रहा है ,इसके खिलाफ दुनिया भर श्रमिक संघर्ष तेज हो रहें हैं और कई देशों ने मेहनतकश जनता की सरकार बनाने में कामयाब हुए हैं। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों का उपयोग भी मुनाफा के लिए हों रहा है, जिससे नौकरियां खत्म हों रहीं हैं और शोषण एवं लूट तीव्र गति से बढ़ रही है।

सीटू नेता कामरेड जुगुल किशोर राठौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रम कानूनों में बदलाव के जरिए 8 घंटे का कार्य दिवस, न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा, यूनियन बनाने का अधिकार इन सबको खत्म कर दिया गया है जिस कानून को बनाने में हमारे मजदूर वर्ग ने अनगिनत कुर्वानिया देकर हासिल किया था। उन्होंने कहा कि ठेका प्रणाली,गिग वर्क और असंगठित काम तेजी से बढ़ रहा है, जिससे श्रमिक लगभग आज गुलामी जैसी स्थिति में जीने को मजबूर हैं । सभा स्थल में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी को कवि शिवकुमार सिंह, यासीन खान, शिवम् मिश्रा, अमरेन्द्र सिंह, कैलाश पाटकर, शफी, ने मजदूर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए अपनी कविता के माध्यम से मजदूरो की दुर्दशा पर विचार व्यक्त कर उससे निपटने का तरीका बताया। जिला समिति अनूपपुर के सचिव रमेश सिंह ने मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दीं।

वन विभाग की टीम ने आबकारी रोड से अवैध लकड़ी से भरा पिकअप पकड़ा

धार। दोपहर मेट्रो

वन मंडल में लकड़ी तस्करों से अवैध लकड़ी से भरा वाहन विभाग ने जप्त किया है। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने शुक्रवार रात अवैध इमली और नीम की लकड़ी से भरा एक वाहन को जब्त किया है कार्यालय लाया गया उक्त कार्रवाई वन मंडल अधिकारी विजयानंथम टी. आर. के मार्गदर्शन में की गई। धार वन परिक्षेत्र अधिकारी सचिन सयदे ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि अवैध लकड़ी का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही तत्काल एक गश्ती एवं चेकिंग दल का गठन किया गया। टीम ने मतलबपुरा फोरलेन रोड चौराहे पर नाकाबंदी की। संदिग्ध वाहन एमपी 13 जीबी 3158 को आता देख टीम ने घेराबंदी की और उसे आबकारी रोड, लक्कड़पीठा के पास रुकवाया।

वाहन की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में नीम और इमली की लकड़ी भरी पाई गई। वाहन चालक जीवन पिता कैलाश निवासी ग्राम आहू से जब लकड़ी कटाई और परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज परिवहन अनुज्ञा पत्र मांगे गए, तो वह कोई भी कागज पेश नहीं कर सका। पिकअप की से 15 क्विंटल इमली और नीम की लकड़ी जिसकी बाजार मूल्य करीब 10 हजार रुपए है और वाहन को जब्त किया गया। वन विभाग की टीम ने मौके पर ही जब्ती की कार्रवाई पूर्ण कर वाहन को वन परिक्षेत्र कार्यालय धार खड़ा करवाया है। विभाग द्वारा संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। कार्रवाई में वन स्टाफ के रमेशचंद्र पटेल कार्यवाहक वनपाल, रामसिंह कनेल, महेन्द्र डामरे, नर्गेश चौहान, वसीम काजी, गौरव तिवारी एवं लक्ष्मण सिंह भवेल वन रक्षक का विशेष योगदान रहा।

मेट्रो एंकर

खुरई क्षेत्र के ग्राम बेरखेड़ी में आयोजित धार्मिक आयोजनों में उमड़े श्रद्धालु

राम के चरित्र को अपनाना ही सच्ची भक्ति : अविराज सिंह

सागर। दोपहर मेट्रो

युवा नेता अविराज सिंह ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें यह शिक्षा देता है कि सत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अकेला होकर भी अधर्म की विशाल शक्तियों को परास्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि राम केवल एक देवता नहीं, बल्कि सच्चे लोकनायक हैं, जो अपनी प्रजा के दुख में दुखी और सुख में हर्षित होते हैं। उन्होंने कहा कि रामराज्य किसी भौतिक संरचना का नाम नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और करुणा जैसे मूल्यों पर आधारित व्यवस्था का प्रतीक है।

उन्होंने खुरई क्षेत्र के ग्राम बेरखेड़ी में आयोजित श्री श्री 1008 नवकुण्डात्मक श्रीराम महायज्ञ, ग्राम नगदा में श्री शतचंडी महायज्ञ, शिवलिंग प्राण-प्रतिष्ठा एवं श्रीरामचरितमानस कथा, परमहंस

आश्रम बूधोन में वार्षिक भंडारा तथा खुरई के अन्य स्थानीय कार्यक्रमों में सहभागिता की। अविराज सिंह ने समाज सेवा के अंतर्गत धनौरी क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को पानी बॉटल, टॉफी बॉक्स, विस्किट, गेहूं, टेबिल फेन, शीलिंग फेन, मच्छर दानी, तौलिया सहित अन्य सामग्री का वितरण किया। अविराज सिंह ने कहा कि चरित्र का वास्तविक निर्माण कठिन परिस्थितियों में होता है और भगवान श्रीराम का व्यक्तित्व राजमहल में नहीं, बल्कि 14 वर्ष के वनवास के दौरान निखरकर सामने आया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए केवल क्षमता ही नहीं, बल्कि मजबूत चरित्र भी आवश्यक है, क्योंकि चरित्र ही व्यक्ति को ऊँचाइयों पर बनाए रखता है।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना गोविंदपुरा भोपाल म.प्र

क्रमांक - डी 446/26 **जाहिर सूचना** दिनांक 16/04/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 13/4/2026 को सूचक शाहबुद्दीन पिता स्व. अब्दुल शाह उम्र 55 साल नि. विश्वकर्मा नगर हबीबगंज थाना गोविन्दपुरा भोपाल मो. नं. 7067032230 ने थाना आकर बताया कि उक्त लिखाये पते पर रहता हूँ। तथा मजदूरी करता हूं। कि आज दिनांक 13.04.2026 के समय करीबन 10.00 बजे मै अपने घर से चेतक ब्रिज की तरफ जा रहा था तभी रास्ते में कटारे पेट्रोल पंप के सामने वाले बस स्टाफ के पीछे कस्तूरबा नगर गोविन्दपुरा भोपाल में एक व्यक्ति उम्र करीबन 35 साल का पडा हुआ था जहां लोगो की भीड इकठ्ठी थी मैने जाकर देखा तो एक अज्ञात व्यक्ति उम्र करीबन 35 साल जिसको हिलाडुला कर देखा जिसके शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही थी और सांस भी नहीं चल रही थी जिसकी मौत हो चुकी है। जिसका हुलिया कद 5.5 फिट, शरीर सामान्य, रंग गेहुंआ, दाडी मूछ, सिर के बाल अधपके, नीले रंग की पूरी बाह की कमीज और उसके नीचे काले रंग की टीशर्ट, काला जींस का पेंट खाकी बेल्ट लगा हुआ, सिर के पास चप्पल नीले काले रंग की चप्पल रखा है। जिसकी सूचना देने थाना आया हूं। सूचना देता हूं। कार्यवाही की जावे। की सूचना पर मर्ग क्र 22/26 धारा 194 बीएनएसएस का कायम कर जांच में लिया गया है। अभी तक की मर्ग जाचं में अज्ञात मृतक की पहचान के हरसंभव प्रयास किये गये किंतु मृतक की पहचान नहीं हो सकी हैं। अतःउपरोक्त मृतक के संबंध में कोई भी जानकारी मिलती है तो कृप्या थाना गोविंदपुरा भोपाल मो. 7049105418 व जांचकर्ता उनि खेत सिंह मो. 9893433593 पर सूचित करने का कष्ट करे।

थाना प्रभारी
थाना गोविंदपुरा भोपाल

G-12318/26 "सायबर क्राइम सुरक्षा हेल्पलाइन नं. - 1930" Phone: 0755-2443710

श्रीकांत और प्रणय भी हारे

थॉमस कप के सेमीफाइनल में भारत फ्रांस से हारा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस से हारकर बाहर हो गई। 2022 की चैंपियन भारतीय टीम 3-0 से हारी। इस मुकाबले में भारत का कोई खिलाड़ी मैच नहीं जीत सका। मैच से पहले ही लक्ष्य सेन को कोहनी की चोट के कारण बाहर बैठना पड़ा, जो टीम के लिए बड़ा झटका था। फ्रांस ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उसने ग्रुप स्टेज में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को हराने के बाद भारत को भी एकतरफा मुकाबले में हराया।

क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान लक्ष्य सेन को दाहिनी कोहनी में चोट लग गई थी। मैच के दौरान कई बार डाइव लगाने की वजह से उनकी कोहनी में सूजन आ गई थी। भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने बताया कि मेडिकल स्टाफ की सलाह पर एहतियात के तौर पर उन्हें आराम दिया गया ताकि वे गंभीर चोट से बच सकें। उनकी गैरमौजूदगी में भारत की चुनौती कमजोर पड़ गई। मुकाबले की शुरुआत में आयुष शेट्टी का सामना क्रिस्टो पोपोव से हुआ। पोपोव ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बनाए रखा और नेट पर शानदार खेल दिखाया। उन्होंने आयुष को 21-11, 21-9 से हराकर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। 39 मिनट तक चले इस मैच में आयुष कहीं भी टिकते नजर नहीं आए। कल अपना 21वां जन्मदिन मनाने जा रहे आयुष ने हार के बाद कहा, क्रिस्टो आज काफी बेहतर खेल रहे थे। उनकी स्पीड और गेम प्लान ने मुझे दबाव में डाल दिया।

किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय भी नहीं दिला पाए जीत

दूसरे मैच में किदांबी श्रीकांत का मुकाबला एलेक्स लानियर से था। श्रीकांत ने लड़ने की कोशिश की, लेकिन लानियर ने सीधे गेम में 21-18, 21-16 से जीत दर्ज कर फांस की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद डू और डाई मुकाबले में एचएस प्रणय कोर्ट पर उतरे। उनका मुकाबला टोमा जूनियर पोपोव से था। प्रणय ने मैच की अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन अंत में वे अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और 19-21, 16-21 से मैच हार गए। इसके साथ ही भारत का सफर सेमीफाइनल में खत्म हो गया। महिलाओं के उबर कप टूर्नामेंट में साउथ कोरिया ने फाइनल में जगह बना ली है, जहां उनका मुकाबला चीन से होगा। सेमीफाइनल में साउथ कोरिया ने इंडोनेशिया को 3-1 से मात दी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में चीन ने जापान को 3-0 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया।

आईपीएल 2026 : गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद गायकबाड़ ने किया शानदार प्रदर्शन

वानखेड़े के बाद चेपॉक में भी चेन्नई ने मुंबई को रौंदा कार्तिक शर्मा ने सीएसके के लिए बनाया खास रिकॉर्ड

चेन्नई, एजेंसी

अंशुल कंबोज की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद ऋतुराज गायकवाड़ और कार्तिक शर्मा की धमाकेदार बल्लेबाजी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस पर आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। शनिवार को चेपॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने नमन धीर की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में सीएसके ने 18.1 ओवर में दो विकेट पर 160 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुंबई के लिए बुमराह और गजनफर ने एक-एक विकेट हासिल किया।

एक और मुकाबला हार गई मुंबई...

चेन्नई की यह मुंबई पर मौजूदा सत्र की दूसरी जीत है। इससे पहले ऋतुराज की टीम ने मुंबई इंडियंस को वानखेड़े स्टेडियम में 103 रनों से हराया था। वहीं, 2023 के बाद से चेन्नई ने मुंबई के खिलाफ सात में से छठी बार जीत दर्ज की। अंक तालिका में चेन्नई आठ अंक और 0.005 नेट रन रेट के साथ छठे पायदान पर पहुंच गई। वहीं, मुंबई लगातार तीन मुकाबलों में शिकस्त के साथ नौवें स्थान पर है।

आईपीएल 2026: अंक तालिका का हाल

टीम	मैच	जीते	हारे	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
पंजाब किंग्स	8	6	1	1	13	+1.043
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	+1.420
सनराइजर्स हैदराबाद	9	6	3	0	12	+0.832
राजस्थान रॉयल्स	10	6	4	0	12	+0.510
गुजरात टाइटंस	9	5	4	0	10	-0.192
चेन्नई सुपर किंग्स	9	4	5	0	8	+0.005
दिल्ली कैपिटल्स	9	4	5	0	8	-0.895
कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
मुंबई इंडियंस	9	2	7	0	4	-0.803
लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

गायकवाड़ और कार्तिक ने दिलाई चेन्नई को जीत

चेन्नई को दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर संजू सैमसन के रूप में बड़ा झटका लगा। संजू नौ गेंदों में महज 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने उर्विल पटेल के साथ 22 गेंदों में 49 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 62 के स्कोर तक पहुंचाया।

कार्तिक शर्मा ने बनाया नया रिकॉर्ड

कार्तिक ने इस मुकाबले में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह चेन्नई के लिए आईपीएल में अर्धशतक बनाने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 20 साल छह दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। इससे पहले आयुष म्हात्रे ने 17 साल 291 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

नमन धीर का अर्धशतक

इससे पहले, मुंबई को 1.2 ओवर में ही पहला झटका लगा। विल जैक्स (1) उस समय अपना विकेट गंवा बैठे, जब टीम के खाते में सिर्फ एक ही रन जुड़ सका था। यहां से नमन धीर ने रेयान रिकेल्टन के साथ दूसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 58 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। रिकेल्टन 24 गेंदों में पांच छक्कों के साथ 37 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद नमन ने सूर्यकुमार यादव के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 गेंदों में 40 रन जुटाकर टीम को 99 के स्कोर तक पहुंचाया। सूर्यकुमार 12 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद कप्तान पांड्या ने मोर्चा संभालने की कोशिश की, उन्होंने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को 150 के पार पहुंचाया, लेकिन खुद 23 गेंदों में 18 रन से ज्यादा नहीं बना सके। नमन ने 37 गेंदों में 57 रन की पारी खेली। चेन्नई की तरफ से अंशुल कंबोज ने 32 रन देकर तीन विकेट निकाले, जबकि नूर अहमद ने दो विकेट हासिल किए।

विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित, हरलीन देओल को नहीं मिला मौका; फुलमाली और नंदिनी शामिल

मुंबई, एजेंसी

टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय महिला टीम घोषित हो गई। मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक के बाद टीम का एलान कर दिया गया। भारतीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हरमनप्रीत कौर की अगुआई में खेलने उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था और अब टीम की नजरें अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब पर होंगी। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा।

टी20 विश्व कप के लिए चुने गए स्क्वॉड में अनकैप्ड नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया गया है। प्रतिका रावल को टीम से बाहर कर दिया गया जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर

चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाईं। नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने इस साल फरवरी में बैंकॉक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। टी20 विश्व कप से पहले टीम इंडिया हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 28 मई को होगी।

भारत से हाथ मिलाने को लेकर अबतक रो रहा पाक

आगा बोले- मुझे अंदाजा नहीं था कि चीजें इतनी खराब हो जाएंगी

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले के दौरान शुरू हुआ नो-हैंडशेक विवाद अब तक पाकिस्तान के गले की फांस बना हुआ है। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने खुद इस पूरे मामले को याद करते हुए माना कि उन्हें अंदाजा ही नहीं था कि हालात इतने अलग मोड़ ले लेंगे। आगा ने खुलासा किया कि मैच से ठीक पहले तक उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि भारतीय टीम के साथ हाथ मिलाने की परंपरा नहीं निभाई जाएगी। टॉस से पहले मैच रेफरी ने अलग ले जाकर साफ कर दिया कि इस बार कोई हैंडशेक नहीं होगा। आगा के मुताबिक, उन्होंने इस पर ज्यादा आपत्ति नहीं जताई, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हुआ।

मुकाबले के बाद भी नहीं मिलाए भारत ने पाकिस्तान से हाथ

हार के बाद पाकिस्तान टीम औपचारिकता निभाने के लिए भारतीय ड्रेसिंग रूम तक पहुंची, लेकिन वहां भी उन्हें मायूसी ही हाथ लगी। दरवाजा नहीं खुला और हैंडशेक की परंपरा पूरी तरह नदारद रही। यह घटना पाकिस्तान के लिए सिर्फ हार नहीं, बल्कि एक साफ संकेत बनकर सामने आई कि मैदान के बाहर रिश्ते किस स्तर तक पहुंच चुके हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम ने यह रुख उस समय अपनाया था जब देश में माहौल बेहद संवेदनशील था। इसके बाद से यह नो-हैंडशेक पॉलिसी लगातार कई टूर्नामेंट्स में देखने को मिली चाहे वो महिला विश्व कप हो, अंडर-19 मुकाबले हों या फिर 2026 टी20 विश्व कप।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

वेडिंग रिसेप्शन में हुआ नागा चैतन्य और सामंथा का आमना-सामना,

अपने पार्टनर्स के साथ इवेंट में पहुंचे एक्स-कपल

फिल्म निर्माता सुनील नारंग की बेटी सिमरन नारंग का हाल ही में विवाह हो गया। हैदराबाद में रिसेप्शन का आयोजन किया गया। इसमें चिरंजीवी, नागार्जुन समेत टॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। इस दौरान नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु भी नजर आए।

पूर्व पति-पत्नी नागा चैतन्य और सामंथा रुथ प्रभु भी इस रिसेप्शन में पहुंचे। इस दौरान नागा चैतन्य अपनी पत्नी शोभिता धुलिपाला के साथ आए, जबकि सामंथा अपने पति राज निदिमोरु के साथ नजर आईं। सामंथा बैंगनी और सुनहरी साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उनके चेहरे पर मुस्कान थी। दोनों के

कई वीडियो सोशल मीडिया हैंडल पर जमकर वायरल हो रहे हैं।

दूसरी तरफ, नागा चैतन्य सूट में और शोभिता नीली-गुलाबी साड़ी में दिखीं। नागार्जुन और अमला भी रिसेप्शन में पहुंचे। दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देने के लिए सभी मंच पर गए और खुश नजर आए। हालांकि, नागा चैतन्य और सामंथा की एक साथ कोई तस्वीर या वीडियो सामने नहीं आई। फैंस को इस बात की उत्सुकता थी कि क्या दोनों मिले भी या नहीं। एक फैन ने लिखा, वह अब साथ में खुश दिखते हैं।, दूसरे फैन ने लिखा, सामंथा का पुराना मुस्कुराता चेहरा फिर से देखकर बहुत खुशी हुई।

चैतन्य और सामंथा का पुराना रिश्ता

सामंथा और नागा चैतन्य ने साल 2010 में फिल्म ये माया चेसावे में साथ काम किया था। दोनों लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे। जनवरी 2017 में सगाई हुई और अक्तूबर 2017 में गोवा में शादी हो गई। लेकिन 2021 में दोनों अलग हो गए और तलाक हो गया। नागा चैतन्य की शोभिता के साथ 2024 में सगाई हुई और दिसंबर 2024 में शादी हो गई। इसके अलावा सामंथा की राज निदिमोरू के साथ 2025 में शादी हुई।

55 साल के अपने फिल्मी सफर को लेकर अनुपम खेर ने किया इमोशनल पोस्ट

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने 4 दशकों से अधिक के करियर में 540 से अधिक फिल्मों में काम किया है। 1984 में फिल्म %सारांश% से प्रसिद्धि पाने वाले अनुपम ने 28 साल की उम्र में एक बुजुर्ग पिता का किरदार निभाया था। उन्हें 2004 में पद्म श्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। आज उन्होंने अपने फिल्मी सफर को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है।

अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उनकी उम्र साफ नजर आ रही है। इस तस्वीर के साथ अनुपम ने कैप्शन में लिखा, %एक ऐसा चेहरा, जिसने जिंदगी पूरी तरह जी ली है। मैं 55 साल से ज्यादा समय से एक्टिंग कर रहा हूं। इनमें से 50 साल से भी ज्यादा समय मैंने प्रोफेशनल एक्टर के रूप में बिताया है।

अनुपम ने आगे लिखा, इस लंबे सफर में धीरे-धीरे कुछ बदल जाता है। सिर्फ आपकी एक्टिंग में नहीं, बल्कि आपके चेहरे पर भी। एक एक्टर का चेहरा धीरे-धीरे सिर्फ चेहरा नहीं रह जाता। वह एक खजाना बन जाता है। चेहरे की छोटी-सी हरकत भी बहुत कुछ कहने लगती है। भौंहों का हल्का सा उठना भी कोई याद लिए होता है। दो भावों के बीच का ठहराव जिंदगी भर के अनुभवों को समेटे होता है।

अनुपम ने आगे लिखा, ये चीजें आप जान-बूझकर नहीं जोड़ते। ये खुद-ब-खुद, चुपके-चुपके, कई साल के साथ आ जाती हैं। इसकी वजह है वो %जीया हुआ अनुभव। वे किरदार जिन्हें आपने निभाया, वे लोग जिनसे आप मिले, वे भावनाएं जो आपने दूसरों से लीं और वे भावनाएं जो आपने खुद महसूस कीं- यह सभी धीरे-धीरे आपके चेहरे पर बस जाते हैं। खोसला का घोसला 2 कल्ट क्लासिक फिल्म का बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जो 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेट्रो बाजार

2047 तक विकसित भारत के लिए मजबूत सप्लाई चेन जरूरी: नड्डा

मुंबई । वर्तमान वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के बीच भारत को अपनी घरेलू क्षमता बढ़ाने और रणनीतिक निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सूरत में आयोजित दो-दिवसीय वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (दक्षिण गुजरात) के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग (विनिर्माण) क्षमता, आत्मनिर्भरता और सप्लाई चेन को मजबूत करना बेहद अहम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मजबूत अर्थव्यवस्था का अर्थ केवल विकास नहीं है, बल्कि इसमें लचीलापन और रणनीतिक स्वायत्तता का होना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा, हालिया वैश्विक अनिश्चितता इस बात का संकेत है कि हमें संकट को अवसर में बदलना चाहिए और क्षेत्रीय

सम्मेलनों के जरिए अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर अधिकतम ध्यान देना चाहिए। नड्डा ने स्पष्ट किया कि देश के भीतर अधिक निर्माण और नवाचार करने तथा महत्वपूर्ण कमजोरियों को दूर करने की सख्त जरूरत है। विकसित भारत के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए निरंतर उच्च विकास दर, औद्योगिक क्षमता का विस्तार, निर्यात में वृद्धि और वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत एकीकरण अनिवार्य है। इसके अलावा, उन्होंने सप्लाई चेन में आने वाली बाधाओं, तकनीकी नियंत्रणों और संसाधनों की रुकावटों जैसे गंभीर मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने का भी आह्वान किया।

बीमा क्षेत्र में 100त्न विदेशी निवेश की अधिसूचना जारी, सरकार ने FEMA नियमों में किया संशोधन

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बीमा क्षेत्र में ऑटोमेटिक रूट से 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को मंजूरी देने वाले नियम को अधिसूचित कर दिया। अधिसूचना के अनुसार विदेशी मुद्रा प्रबंधन (फेमा) नियम, 2026 के अनुसार, ऑटोमेटिक रूट से बीमा कंपनियों और उससे जुड़े मध्यस्थों, जिनमें ब्रोकर भी शामिल हैं, में अब 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति होगी। हालांकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के लिए यह सीमा 20 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

संसद ने दिसंबर, 2025 में सबका बीमा सबकी रक्षा विधेयक, 2025 पारित किया था, जिसके जरिये बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को स्वचालित मार्ग के तहत पहले के 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की मंजूरी दी गई। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह विधेयक कानून बन गया। इसके बाद फरवरी, 2026 में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अधिसूचित किया था। अब इस फैसले को अधिसूचित कर दिए जाने के बाद विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय बीमा कंपनियों में पैसा लगाना आसान हो जाएगा।

भारत का बीमा क्षेत्र विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते बीमा क्षेत्रों में एक है। यह वैश्विक स्तर पर 10वें स्थान पर है और इसकी सालाना विकास दर लगभग 15-20 फीसदी है। जागरूकता में वृद्धि, डिजिटल तकनीक को अपनाने और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा पहले 74 फीसदी तक किए जाने के बाद इस क्षेत्र में तेज वृद्धि देखने को मिली थी। अब विदेशी निवेश सीमा को 100 फीसदी कर दिए जाने से इसकी वृद्धि की रफ्तार और तेज होने की उम्मीद है।

सतरंगी हुई सांभर झील

नमक की क्यारियां नजर आ रही रंग-बिरंगी.... रोचक वजह चौंकाएगी

विश्व प्रसिद्ध सांभर झील इन दिनों सतरंगी नजर आ रही है। इसकी प्रमुख वजह नमक निर्माण की प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया कई चरणों से होकर गुजरती है और हर चरण में पानी का रंग अलग-अलग दिखाई देता है। नमक की क्यारियों में पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण पानी में मौजूद नमक और अन्य खनिज तत्वों की मात्रा तथा उनसे होने वाली रासायनिक प्रक्रियाएं हैं। पानी में घुले आयरन, सल्फेट्स, कैल्शियम और मैग्नीशियम के कारण पानी लाल, हरा, नीला या भूरा दिखाई दे सकता है।गर्मी बढ़ने पर पानी का वाष्पीकरण तेज हो जाता है, जिससे लवण और खनिजों की सांद्रता बढ़ जाती है और रंग में बदलाव आता है। कई बार फाइटोप्लैंकटीन जैसे सूक्ष्मजीवों की वृद्धि से भी पानी का रंग बदलता है। इनमें खासकर डायटम शैवाल और आर्किबैक्टीरिया पानी को हरा, लाल, गुलाबी या इंद्रधनुषी रंग प्रदान करते हैं।

आठ राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित, जल असंतुलन गहराने की आशंका

देश में गहराया जल संकट, 166 जलाशयों का स्तर 40% से नीचे

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में जल भंडारण की स्थिति तेजी से दबाव में आ रही है और गर्मियों की शुरुआत के साथ संकट के संकेत और स्पष्ट हो गए हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार देश के 166 प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी घटकर कुल क्षमता के 40 प्रतिशत से नीचे आ गया है। वहीं कई प्रमुख नदी घाटियों में भी जल स्तर में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे क्षेत्रीय जल असंतुलन गहराने की आशंका बढ़ गई है।

केंद्रीय जल आयोग के साप्ताहिक बुलेटिन के अनुसार देश के 166 जलाशयों में कुल लाइव स्टोरेज 71.082 अरब घन मीटर (बीसीएम) रह गया है, जो उनकी कुल क्षमता 183.565 बीसीएम का केवल 38.72 प्रतिशत है। 9 अप्रैल 2026 को यह स्तर 44.71 प्रतिशत था, यानी तीन सप्ताह में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। ये 166 जलाशय देश की कुल अनुमानित जल भंडारण क्षमता 257.812 बीसीएम का लगभग 71.20 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। इनमें से 20 जलाशय जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़े हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 35.299 बीसीएम है।

22 जलाशयों में सामान्य से 80 फीसदी कम पानी

मध्य प्रदेश के जलाशयों में पिछले वर्ष की तुलना में कमी दर्ज की गई है। वहीं गोवा में केवल एक प्रमुख जलाशय होने के बावजूद वहां भी 12 प्रतिशत से अधिक गिरावट दर्ज की गई है, जो स्थानीय जल उपलब्धता के लिहाज से महत्वपूर्ण संकेत है। कई प्रमुख जलाशयों में गंभीर स्थितिदेश के कई प्रमुख जलाशयों में जल स्तर अत्यंत निम्न स्तर पर पहुंच गया है।असम का खांडोंग जलाशय लगभग 21.16 प्रतिशत पर है, जबकि झारखंड का चंदन डैम पूरी तरह खाली हो गया है। कर्नाटक का तट्टिहल्ला 24.63, केरल का पेरियार 29.21, तमिलनाडु के वैगई 15.17, करायर 49.89 और अलियार 48.89 प्रतिशत नीचे हैं। कुल 166 जलाशयों में से 22 ऐसे हैं, जहां जल स्तर सामान्य के 80 प्रतिशत कम है।

नदी घाटियों में भी गिरावट का रुझान

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार अप्रैल की शुरुआत की तुलना में कई प्रमुख नदी बेसिनों में जल स्तर घटा है। गंगा बेसिन 53.8% से गिरकर लगभग 50.01% पर आ गया है। गोदावरी 47.58 से घटकर 40.69% और नर्मदा 46.09 से गिरकर 38.82 प्रतिशत पर पहुंच गई है। कृष्णा बेसिन पहले से ही कमजोर स्थिति में था और अब भी लगभग 22.55% के आसपास बना हुआ है। कावेरी (अब 35.74%) और महानदी (43.51%) में भी गिरावट दर्ज की गई है, जबकि ताप्ती अपेक्षाकृत संतुलित स्थिति में बनी हुई है।

दहीबड़ा खाना पड़ा महंगा, 27 बच्चों समेत 58 लोगों की हालत बिगड़ी

जाजपुर। ओडिशा के जाजपुर जिले के एक गांव से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, यहां दहीबड़ा खाने से 58 लोगों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट करवाना पड़ा है। खुद पुलिस ने ये जानकारी दी है।

मामला दशरथपुर ब्लॉक के पातापुर गांव का है। यहां एक लोकल दहीबड़ा बेचने वाले शख्स के यहां जिन लोगों ने दहीबड़ा खाया, उनमें से 58 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इन 58 लोगों में 27 बच्चे भी शामिल हैं। इन लोगों को दहीबड़ा खाने के बाद उल्टी और बुखार की समस्या हो गई, जिसके बाद इन्हें हॉस्पिटल में एडमिट करवाना पड़ा।पुलिस के मुताबिक, पीड़ितों को दशरथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जाजपुर जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच) में एडमिट करवाया गया। इस घटना पर जाजपुर जिला कलेक्टर अंबर कुमार का बयान भी सामने आया और उन्होंने बताया है कि इलाज के बाद 21 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

कुल्लू में दर्दनाक हादसा

कार के ऊपर गिरा पेड़, 4 महिला शिक्षकों की मौत

कुल्लू, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक पेड़ कार के ऊपर गिर गया। इस हादसे में चार महिला शिक्षकों की दर्दनाक मौत हो गई। कुल्लू के आनी में तेज बारिश और आंधी-तूफान के बीच शमशर-चवाई सड़क मार्ग पर बालीओल के पास एक चलती गाड़ी पर अचानक चीड़ का पेड़ गिर गया, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय गाड़ी में ड्राइवर समेत कुल 7 लोग सवार थे। इनमें से 4 महिला शिक्षकों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी शिक्षिकाएं स्कूल से छुट्टी के बाद वापस आनी लौट रही थीं।

इस हादसे में 3 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत आनी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। तेज तूफान और खराब मौसम को इस हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए हैं। यह घटना क्षेत्र में भारी शोक और चिंता का कारण बनी हुई है।

राजस्थान के सरकारी स्कूल में पानी पीने से 13 बच्चों की तबीयत बिगड़ी

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर स्थित राजकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में पानी पीने के बाद 13 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों ने पेट में दर्द और घबराहट की शिकायत की। उन्हें खुजली होने लगी और शरीर पर जगह-जगह लाल निशान बनने लगे। जिसके बाद स्कूल प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई।आनन-फानन में बीमार पड़े सभी बच्चों को पहले अस्पताला लाया गया। वहां से उन्हें बाड़मेर के राजकीय चिकित्सालय रेफर कर दिया गया, जहां उन्हें भर्ती कर उपचार शुरू किया गया है। स्कूल में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारी तुरंत हरकत में आए।

DRDO के चैयरमेन कामत बोले-

देश को मिलेंगी हाइपरसोनिक ग्लाइड और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ने वाली है। DRDO के चेयरमैन समीर वी कामत ने हालही में एक बड़ी बात कही है। उन्होंने में कहा है कि भारत हाइपरसोनिक ग्लाइड और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणालियों पर काम कर रहा है, जिनमें से ग्लाइड मिसाइल, विकास के मामले में आगे है। उन्होंने कहा, 'हाइपरसोनिक मिसाइलों के संबंध में, हम दो कार्यक्रमों पर काम कर रहे हैं: हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल। '

कामत ने कहा, 'हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल में स्क्रैमजेट इंजन होता है और उड़ान के दौरान इसे ऊर्जा मिलती है। वहीं हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल को शुरुआती रफ्तार देने के लिए बूस्टर का उपयोग किया जाता है और फिर यह बिना किसी ऊर्जा के ग्लाइड करती है। '

अग्नि 6 के लिए तैयार है DRDO

हालही में कामत ने ये भी बताया था कि DRDO, अग्नि 6 के लिए तैयार है, बस केंद्र की मंजूरी का इंतजार है। अग्नि-बैलिस्टिक मिसाइल के विकास पर, कामत ने कहा कि यह कार्यक्रम सरकार के निर्णय पर निर्भर करता है, और उन्होंने कहा कि मंजूरी मिलते ही एजेंसी आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अग्नि के एक उन्नत अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल होने की उम्मीद है, जिसकी मारक क्षमता भारत की अग्नि श्रृंखला की मौजूदा प्रणालियों की तुलना में अधिक होगी और क्षमताएं भी बेहतर होंगी।बता दें कि भारत लंबे समय से अपने रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने में जुटा है और इस काम को करते हुए उसने कई शानदार चीजें विकसित की हैं, जो दुश्मनों के छक्के छुड़ाने में माहिर हैं।

धनबाद कोल वाशरी हादसा

20-20 लाख मुआवजा और नौकरी देगी BCCL

धनबाद। झारखंड के मुनिडीह कोल वाशरी में चार श्रमिकों की मौत के बाद प्रबंधन, मृतकों के आश्रितों और ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। समझौते के तहत प्रत्येक मृतक श्रमिक के पात्र आश्रित को 10 दिनों में 10 लाख रुपये की पहली किस्त और उसके बाद 20 दिनों में 10 लाख रुपये की दूसरी किस्त दी जाएगी। इस तरह हर परिवार को कुल 20 लाख रुपये मुआवजा मिलेगा। दूसरी किस्त की राशि बीसीसीएल डीओ धारकों से वसूली जाएगी।

नागपुर में एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी बोले-

हिंदू हो या मुसलमान, सबके लिए पेट्रोल-डीजल का भाव एक समान

नागपुर, एजेंसी

महाराष्ट्र के नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ईंधन जैसी बुनियादी जरूरतों का लाभ सभी को समान रूप से मिलता है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। नितिन गडकरी ने कहा, 'जिस कीमत पर हिंदुओं को गैस, पेट्रोल और डीजल मिलता है, मुसलमानों को भी उसी कीमत पर मिलती है।' उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब हाल के चुनावों के दौरान कई राज्यों में राजनीतिक चर्चाओं में धार्मिक और जातिगत मुद्दों को लेकर तीखा प्रचार देखने को मिला है।

गडकरी ने स्पष्ट किया कि वे इस तरह के विभाजनों से खुद को अलग रखते हैं। उन्होंने जोर

देते हुए कहा, 'बाहर लोग जाति के आधार पर लड़ सकते हैं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करता।' उनका कहना था कि ऐसे मुद्दों से समाज को कोई खास लाभ नहीं होता।

जो भी जाति की बात करेगा...

उन्होंने आगे कहा कि जाति के नारे लगाने वाले नेता अक्सर बंद दरवाजों के पीछे अलग तरह से व्यवहार करते हैं। उन्होंने कहा, 'कई नेता जाति के नारे लगाते हैं। फिर वे मेरे घर आते हैं और मेरे कान में फुसफुसाकर अपने बेटों या पत्नियों के लिए टिकट मांगते हैं।' उन्होंने ऐसे नेताओं को 'पाखंडी' बताया।

भाषण के दौरान गडकरी ने कहा, 'जो कोई भी जाति के बारे में बात करेगा, मैं उसे जोर की लात मारूंगा।' उनकी ये टिप्पणियां हाल ही में कई राज्यों में हुए चुनावों की पृष्ठभूमि में आई हैं, जहां हिंदू-मुस्लिम मुद्दे और जातिगत समीकरण चुनावी भाषणों और रणनीतियों पर हावी रहे।

मेट्रो एंकर | मोबाइल और सोशल मीडिया की लत और हिंसक व्यवहार से परेशान परिजन कर रहे नए -नए जतन

बच्चों की फोन की लत छुड़ाने के लिए बाउंसर रख रहे घरवाले

गांधीनगर, एजेंसी

गुजरात में माता-पिता अपने बच्चों की जानलेवा लत और हिंसक व्यवहार से इस कदर परेशान हैं कि अब वे घर के अंदर भी सुरक्षा के लिए बाउंसरों की मदद ले रहे हैं। अहमदाबाद में एक 16 वर्षीय लड़की के माता-पिता ने अपनी बेटी की 24×7 निगरानी के लिए दो शिफ्टों में चार बाउंसर तैनात किए हैं।जिस पर वे हर महीने लगभग 65,000 रुपये खर्च कर रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, यह लड़की फोन और सोशल मीडिया की इस कदर आदी हो चुकी थी कि फोन छीनने पर वह हिंसक हो जाती थी।

बच्चों का हिंसक व्यवहार

मनोचिकित्सक डॉ. मृगेश वैष्णव ने बताया कि वह लड़की एक फोटो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म को लेकर जुनूनी थी और अनजान लोगों के साथ ऑनलाइन बातचीत करती थी। मामला तब गंभीर हो गया जब उसने सोशल मीडिया पर बने दोस्तों से मिलने के लिए घर से भागना शुरू कर दिया।जब माता-पिता ने उसका फोन छीनने की कोशिश की, तो उसने घर के टीवी और माइक्रोवेव जैसे उपकरणों को अपार्टमेंट से नीचे फेंक दिया और अपनी मां पर हमला कर दिया। डॉ. वैष्णव के अनुसार, 'दवाओं के साथ-साथ अब उन पर कड़ा नियंत्रण रखना एक मजबूरी बन गई है।

गेम खेलने से मना किया तो कुत्ते को बेरहमी से पीटा

सूरत में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया जहां एक 17 वर्षीय लड़के को गेमिंग की लत थी। पिता द्वारा डांटे जाने पर वह अपना गुस्सा निकालने के लिए अपने पिता के प्रिय पालतू कुत्ते को बेरहमी से पीटने लगा।फोर्स 11 सिक्योरिटी कंपनी के प्रमुख निखिल पांडे ने बताया कि कुत्ते की सुरक्षा के लिए नौ महीने तक दो शिफ्टों में आठ बाउंसर तैनात किए गए थे। वहीं राजकोट और वडोदरा में भी सुरक्षा एजेंसियों की मांग बढ़ी है। राजकोट में राम सिक्योरिटी एजेंसी के मालिक केयूर उनादकट ने बताया कि कई प्रभावशाली राजनेता और व्यवसायी अपने बच्चों को विवादों, सड़क पर लड़ाई, शराब और हनीट्रैप जैसे जोखिमों से बचाने के लिए बाउंसर रख रहे हैं।कभी-कभी यह निगरानी इतनी गुप्त होती है कि बच्चों को पता भी नहीं चलता कि उन पर नजर रखी जा रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564